ISSN 2349-6614

सितम्बर 2020

मूल्य 50 रु

# प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

## महेन्द्र सिंह धोनी
## रिटायर
## बट
## नॉट आउट

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 18 अंक 5 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

# TECHNO INDIA NJR
## INSTITUTE OF TECHNOLOGY

Approved by AICTE. Affiliated to RTU

# LIVE YOUR DREAMS. BE A TECHNOITE

## DREAM PLACEMENTS

**Som Nath**
Package : 1 Crore/annum

**Dyutee Solanki**
Package : 24 lacs/annum

**Akshay Nandwana**
Package : Undisclosed

**Ritvik Dave**
Package : 21 lacs/annum

**Garvit Jain**
Package : 40 lacs/annum

## PLACEMENT 2020

### IBM

### TATA CONSULTANCY SERVICES

### wipro

### metacube
programmed for excellence

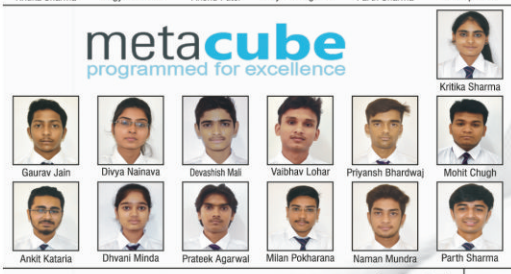


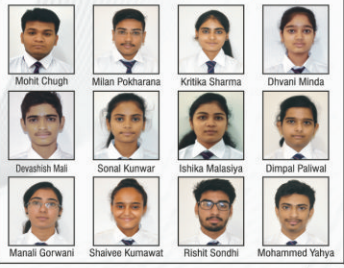


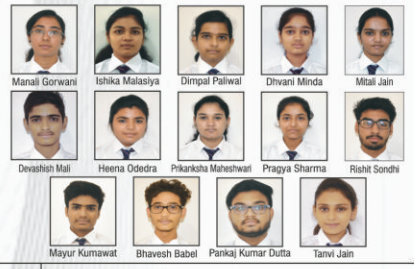


### Infosys

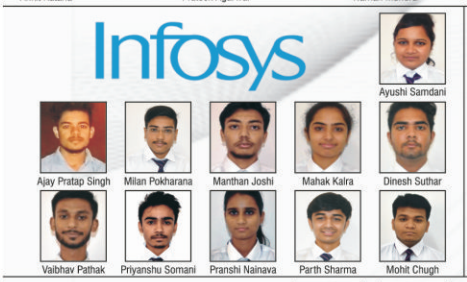


### Capgemini

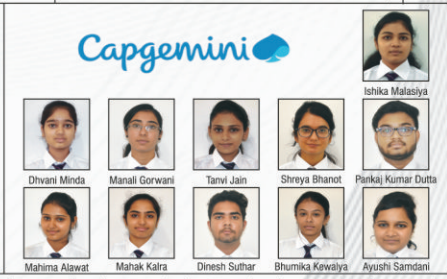


### Cognizant

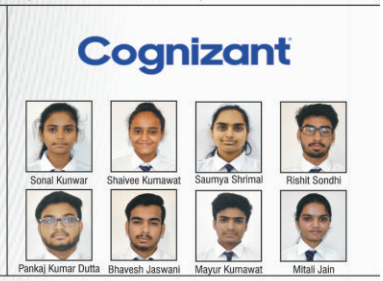


**For Mechanical Students**

MAGNETI MARELLI
MOTHERSON

## And Many More

## ADMISSION OPEN

**APPLY THROUGH REAP: College Code 1075**

| | |
|---|---|
| **APPLY ONLINE:** www.technonjr.org | **SEND WHATSAPP:** 8696932786 |
| **CONTACT:** Dr. Yasmin : 8696932708<br>R.S. Vyas : 8696932700<br>Dr. Porwal : 8696932702 | **VISIT CAMPUS:** Monday to Saturday \| 9 AM to 5 PM |

| Branches | No. of Seats |
|---|---|
| Computer Science and Engineering (CSE) | 120 Seats |
| Civil Engineering (CE) | 60 Seats |
| Mechanical Engineering (ME) | 60 Seats |
| Electrical Engineering (EE) | 60 Seats |
| Electronics and Communication Engineering (ECE) | 60 Seats |

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार
74 वां स्वतंत्रता दिवस
सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिंद
15 अगस्त का दिन देश की आजादी के पुरोधाओं को, उनके त्याग, तप और बलिदान को नमन करने का दिन होता है। यह उनके जज़्बे और उनकी भारत-भक्ति से प्रेरणा लेकर माँ भारती के लिए समर्पित होकर काम करने और संकल्प लेने का दिन भी है।
- नरेन्द्र मोदी
लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रातः 6:25 बजे से दूरदर्शन द्वारा सीधा प्रसारण
davp 22201/13/0018/2021

# VIPRA LAKECITY COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES

( Set up by VIPRA FOUNDATION )

## FIRST ZERO FEES COLLEGE

### Mahapragya Vihar, Behind Celebration Mall, Udaipur

## विप्र कॉलेज :

उदयपुर शहर के मध्य(सेलिब्रेशन मॉल के पीछे, शोभागपुरा चौराहा के पास), 7000 वर्गफीट के भव्य भवन में संचालित होने वाले विप्र कॉलेज में छात्रों को आधुनिक कम्प्यूटर लेब, हजारों पुस्तकों से लेस लाइब्रेरी एवं इंटरनेट कनेक्शन इत्यादि कई सुविधाएं प्राप्त होंगी। अनुभवी एवं वरिष्ठ अध्यापकों एवं आईटी इंडस्ट्री में कार्यरत प्रोग्रामरों द्वारा छात्रों को बड़ी आईटी कंपनियों में नौकरी पाने के लिए तैयार किया जाएगा। जो छात्र उदयपुर में ही रहना चाहते हैं उन्हें उदयपुर की आईटी कंपनी में नौकरी दिलाई जाएगी।

## लक्ष्य :

विप्र कॉलेज की स्थापना विप्र फाउंडेशन द्वारा मेधावी विप्र छात्र/छात्राओं को विश्वस्तरीय रोजगारोन्मुखी शिक्षा देकर बहुराष्ट्रीय एवं बड़ी राष्ट्रीय कंपनियों में अच्छे पैकेज पर नौकरी दिलाकर उसे आत्मनिर्भर बनाना है। आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्रों के लिए यह शिक्षा निःशुल्क बिना किसी फीस के उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा उदयपुर से बाहर के छात्र/छात्राओं के लिए निःशुल्क निवास का भी प्रबन्ध किया गया है।

## कॉलेज प्रबंधन :

विप्र कॉलेज का प्रबंधन उदपपुर के प्रसिद्ध टेक्नो एन जे आर इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक एवं निदेशक श्री राजशेखर व्यास, जो बिट्स पिलानी के स्नातक हैं, के मार्गदर्शन में किया जाएगा। टेक्नो कॉलेज अपने प्लेसमेंट के लिए पूरे भारत वर्ष में जाना जाता है। यहाँ के छात्र विश्व प्रसिद्ध कंपनियों जैसे गूगल, फेसबुक, क्वाल्कोम, आइबीएम, इंफोसिस, टीसीएस सीमेंस, एल एण्ड टी एवं अन्य कंपनियों में कैम्पस प्लेसमेंट के जरिये नौकरी प्राप्त कर अपना भविष्य बनाते हैं। विप्र कॉलेज के छात्रों को भी ऐसी ही कंपनियों में नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

## MANAGEMENT COMMITTEE

श्री धर्म नारायण जोशी
**संरक्षक**

R.S. Vyas
**Chairman**

Lalit Paneri
**Vice-Chairman**

Vivek Vashishth
**Secretary**

Radheyshyam Sikhwal
**Treasurer**

Shyam Dubey
**Administrator**

Laxmikant Vaishnav
**Member**

K.K. Sharma
**Member**

Kailash Sharma
**Admissions**

Vivek Pancholi
**Admissions**

## COURSES AND ADMISSION :

**Eligibility (पात्रता ) :**
12th Pass in any stream - Science/Commerce/Arts

**Minimum marks ( योग्यता ) :**
For Zero Fees( ज़ीरो फीस ), Minimum marks in 12th : 75%

| Branches | No. of Seats |
|---|---|
| Bachelor of Computer Applications (BCA) | 40 Seats |
| Bachelor of Business Administration (BBA) | 40 Seats |

**Contact ( संपर्क करें ) :** Mr. Kailash Sharma :**9783144111** | Mr. Vivek Pancholi :**9414165492** | Raj Shekhar Vyas :**8696932700**

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण


# प्रत्यूष

सितम्बर
2020
वर्ष 18, अंक 5

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू


## अन्दर के पृष्ठों पर...

09 विरासत
दुनिया में अनोखी होगी राम की नगरी

सौगात
राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 21

34 पितृपक्ष
पितरों को नमन

स्वास्थ्य
कोरोना और मानसून की बीमारियां 41

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

**सलाहकार मण्डल**
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

**छायाकार :**
कमल कमावत, जितेन्द्र कमावत,
ललित कमावत

**चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा**

**जिला संवाददाता**

बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान



प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001



कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703 (विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992 (समाचार-आलेख), 98290-42499 (वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com



स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

**Dilip Bagla**
Chairman

**Kunal Bagla**
CEO

# ARCGATE

***We are a fast growing team of 2000+ people passionate about data and technology.***

We help some of the most innovative startups in the world with AI training data collection & cleansing, data enrichment, search relevance, content moderation, lead generation, application development and quality engineering.

**G1-11, I.T.Park, M.I.A. (Extn.)**
**Udaipur – 313003**
**Rajasthan, India**
**+91 77420 92381**
**+91 77420 92382**

# घाटी में फिर आतंक के अंकुर

जम्मू-कश्मीर के जमीनी यथार्थ को बदले एक साल पूरा हो गया और बीते एक वर्ष में वहां कुछ ऐसा हुआ है, जिसकी उम्मीद कम ही लोगों को थी। सीमा पार से न सिर्फ आतंककारियों की घुसपैठ पर लगाम लगी है बल्कि छिपते घूम रहे गिनती के पाकिस्तानी पिट्ठुओं की भी दाल नहीं गली। कश्मीर की अवाम ने यह साफ जता दिया है कि वह स्थाई शांति और विकास चाहती है। हुर्रियत और अन्य भारत विरोधी संगठनों के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई हुई है। सख्ती तो उनके साथ पहले भी होती थी लेकिन तब निजाम ऐसा था कि सुरक्षा बल के हाथ एक हद तक जाकर बंध जाते थे, जो अनुच्छेद 370 के हटने के बाद ऐसे खुले कि एक-एक कर आतंकवादी ढेर होते चले गए। इस दौरान सबसे निर्णायक प्रदर्शन स्थानीय पुलिस बल का रहा। क्योंकि इसमें समुदाय के भीतर के ही लड़ाके थे और वे आतंककारियों के सारे गढ़ और पैंतरे जानते थे। पिछले 70 साल में इस राज्य में शासन और व्यवस्था की ऐसी मज़बूत स्थिति कभी नहीं रही जितनी पिछले एक वर्ष में रही।

तेज विकास की उम्मीद और अमन-चैन के लिए जम्मू-कश्मीर में उठती आवाज आतंकवादियों और उनके आकाओं के होश उड़ा रही है। 5 अगस्त, 2019 को राज्य में हुए बड़े परिवर्तनों के कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र की महासभा में चेहरे पर नाटकीय भावुकता का लबादा ओढ़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी ने भाषण में भविष्यवाणी की थी कि कश्मीर में जैसे ही कर्फ्यू हटेगा, कश्मीरी नौजवान खुदकुश हमलावरों में तब्दील ही जाएंगे और भारत को उन्हें संभालना मुश्किल हो जाएगा। कश्मीरी अवाम ने राज्य में शांतिपूर्ण माहौल और प्रशासन का साथ देकर इमरान खान को जैसा जवाब दिया है, उससे अब वे बगलें झांकते डोल रहे हैं। खुद उनसे उनकी अवाम नाराज है। पीओके और बलूचिस्तान में उनके खिलाफ विद्रोह की आग तेजी से भड़क रही है, जिसका शमन सेना अपने बूटों तले करने की नाकाम कोशिश कर रही है। कश्मीर में राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रसार के कारण अलगाववादी ताकतों की जमीन सिकुड़ती जा रही है। कश्मीरी अवाम डरकर अब चुप नहीं बैठेगी। ऐसे में बौखलाए आतंकी राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों को निशाना बनाकर अपनी खीझ मिटा रहे हैं। वहां सामान्य होते हालात और शहरों से लेकर गांवों तक बढ़ती राजनैतिक गतिविधियां आतंकियों को खटक रही हैं। पाकिस्तान सरकार और आतंकी सरगनाओं को लगता है कि कश्मीर में राजनैतिक सक्रियता कश्मीर और उसके बाहर उनकी मौजूदगी के ताबूत में आखिरी कीलें ही साबित होने वाली हैं। इसलिए उन्होंने पिछले कुछ समय से राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं को निशाना बनाकर आतंकियों, उनके आकाओं और पस्त हुए उनके समर्थक नेताओं को फिर से उकसाने की साजिशें आरम्भ कर दी हैं। ये हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। घाटी में फिर से अशांति फैले, उससे पूर्व ही शासन को आतंक के अंकुर के सफाये का अभियान आरंभ कर देना चाहिए। इस बात को पक्के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता कि घाटी में अब आतंकी संगठन अधिक सक्रिय नहीं है। वे सक्रिय हैं और घाटी को ही अपनी सुरक्षा का बेहतर इलाका मानते हैं। ऐसे में यदि ग्रामीण इलाकों में राजनैतिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो आतंकियों को खतरा महसूस होना स्वभाविक हैं। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद लोगों ने केन्द्र के प्रशासन का स्वागत किया है। त्वरित रोजगार प्रक्रिया में 3 और 4 वर्ग के कर्मियों के लिए साक्षात्कार के बिना 10,000 नौकरियां देने की घोषणा से भ्रष्टाचार चित्त हुआ है। नए अधिवास( डोमिसाइल) नियम केवल राज्य के वासियों के लिए रोजगार सुनिश्चित करते हैं। कोरोना महामारी के बावजूद सड़कों, पुलों और बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा मिला है। कटरा के लिए रेल सम्पर्क जल्द बनने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जम्मू में रोपवे चालू हुआ है। मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों पर काम जोरों से चल रहा है। भूमि रिकॉर्ड डिजिटल हुआ है। कोल्ड स्टोरेज बनने से फलों की उपज का रखरखाव आसान हुआ है। ऐसे में आतंककारियों को अपने पांवों तले जमीन खिसकती और अस्तित्व समाप्त होता साफ दिख रहा है। यही वजह है कि पिछले महीने-डेढ़ महीने में घाटी में आधा दर्जन भाजपा नेताओं की हत्या की गई है। वहां के पंचायत प्रतिनिधियों ने राज्यपाल मनोज सिन्हा से अपनी सुरक्षा की गुहार की है। राजनैतिक लोगों पर हमलों के कारण वे या तो अपने दल छोड़ रहे हैं अथवा राजनैतिक प्रक्रिया से अपने को अलग कर रहे हैं। यह अच्छे लक्षण नहीं हैं। बीमारी को अभी से पकड़ना और खत्म करना होगा। अन्यथा कश्मीर में शांति और विकास पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा। आतंकियों को हराने व उन्हें जमीदोज़ करने की रणनीति पर काम जरूरी है।

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#राजस्थान_सतर्क_है

# एकता, अखण्डता और सद्भावना से खुशहाल हमारा भारत महान

स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों, शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों
और प्राणों का बलिदान करने वाले सच्चे सपूतों को सलाम
एकजुट हो सच कर दें वो हर अरमान,
जो संजोया था महापुरूषों ने और दिलाया था हमें सम्मान...

आईये सभी सावधानियों का पालन कर
कोरोना महामारी पर विजय का संकल्प लें

**सभी प्रदेशवासियों को 74वें**
**स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं**

**अशोक गहलोत**
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राजस्थान सरकार

राजस्थान संवाद

# दुनिया में अनोखी होगी राम की नगरी

✍ मनीष उपाध्याय

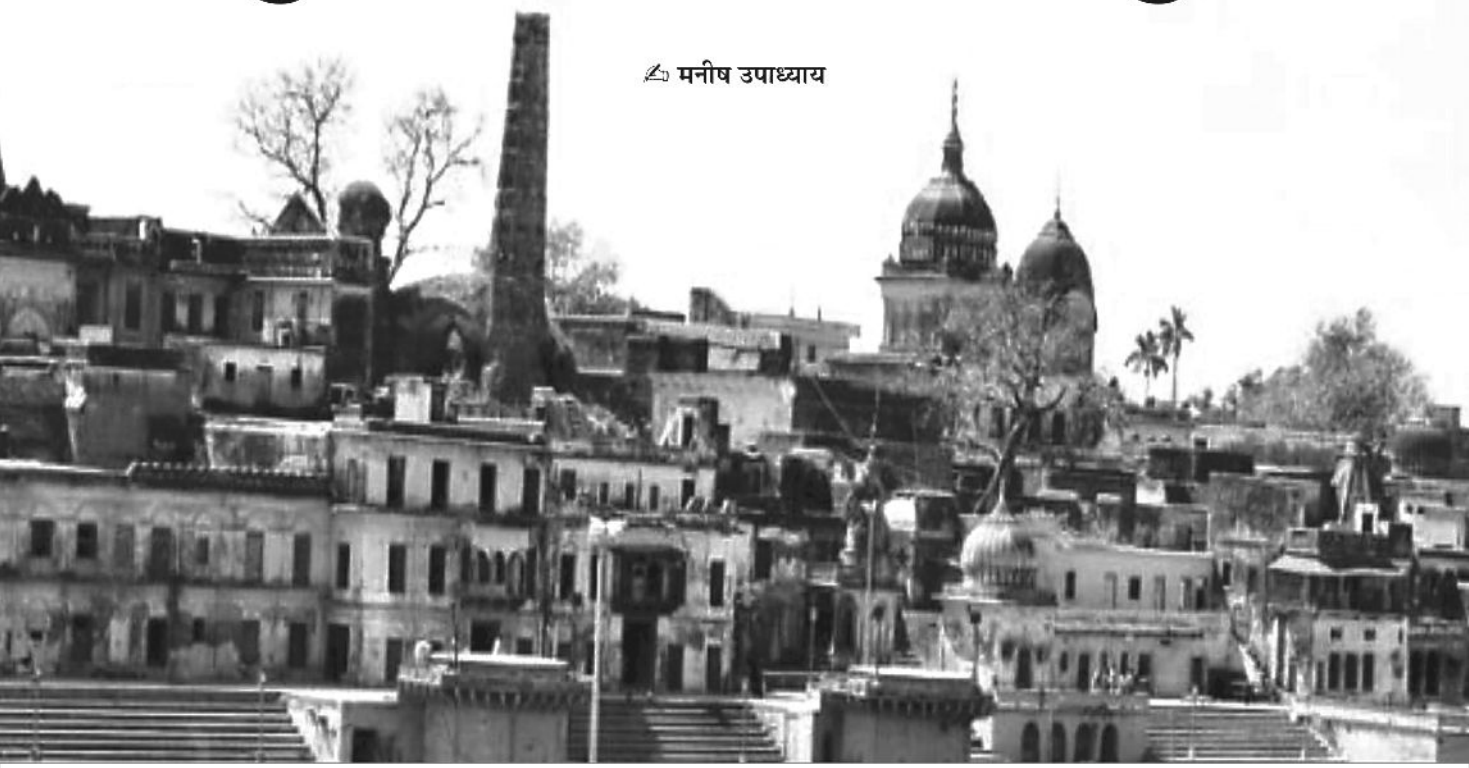

***आने वाले पांच वर्षों में रामनगरी अयोध्या का स्वरूप बदला-बदला सा नजर आएगा। भगवान राम की विश्व में सबसे ऊंची प्रतिमा, रामलीला अकादमी, रामायण म्यूजियम, चौड़ी सड़कें, सुधरे और संवरे हुए चौरासी, चौदह व पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, बड़ा बस अड्डा, मल्टीलेवल कार पार्किंग, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, जगमगाते घाट, कई रेलवे ओवरब्रिज, भजन संध्या स्थल और सांस्कृतिक मंच.... यह सब कुछ अयोध्या में अगले पांच वर्षों में होगा।***

**39.63** करोड़ की लागत से सरयू तट पर बांध का निर्माण और पुनरुद्धार होगा

**3.5** साल में राम मंदिर के निर्माण का अनुमान

**218** करोड़ से श्रीराम जन्मभूमि तक मार्गों का चौड़ीकरण होगा

अयोध्या में पांच अगस्त 2020 को उस समय एक नया अध्याया लिखा गया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुचर्चित राममंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। ठीक एक साल पहले पांच अगस्त का दिन जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी करने और राज्य के पुनर्गठन के लिए भी तारीखों में हमेशा के लिए दर्ज हो चुका है। चाहे वह मंदिर निर्माण हो या जम्मू-कश्मीर की स्थिति में बदलाव, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की 1990 में की गई सोमनाथ से अयोध्या रथयात्रा मील का पत्थर है, जिसने भारत की राजनीतिक जमीन को आरएसएस-भाजपा की विचारधारा के लिए उपजाऊ बना दिया।

हालांकि, इसकी नींव तो उसी दिन रख दी गई थी जब पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा देकर श्रीनगर के लालचौक पर तिरंगा फहराने का संकल्प लिया था। वहां पहुंचने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, पर उनकी अधूरी इच्छा को पूरा किया भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी की तिरंगा एकता यात्रा ने। जोशी की तिरंगा एकता यात्रा कन्याकुमारी से होते हुए 26 जनवरी, 1992 को श्रीनगर पहुंची। देश की राजनीति में इन तीन यात्राओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री मोदी ने जब अयोध्या में राममंदिर के लिए भूमिपूजन किया, देश के जनमानस में इन तीनों यात्राओं के दृश्य साकार उठे आडवाणी की रथयात्रा और जोशी की एकता यात्रा दोनों के समन्वयक नरेन्द्र मोदी ही थे।

## सलीम थे रथ चालक

वातानुकूलित रथ के चालक मुंबई के भाजपा कार्यकर्ता सलीम मकराणी थे। मुंबई में ही तैयार किए गए रथ को रामायण के कालखंड में दर्शाए रथ का आकार दिया गया था। रथ पर सूर्यवंश के प्रतीक सूर्य व दोनों ओर गिर के शेरों के चित्र थे तथा राम मंदिर का मॉडल अंकित था।

## राम की 251 मीटर ऊंची मूर्ति बनेगी

मांझा बरहेटा इलाके में बनने वाली भगवान राम की सबसे ऊंची प्रतिमा(251 मीटर की ऊंचाई) के 12 एकड़ क्षेत्रफल में बनने वाले पैडस्टल के नीचे व अगल-बगल में 500 करोड़ की लागत से एक बड़ा कॉम्पलेक्स बनेगा। इसमें रामायण म्युजियम, व्यापारिक केन्द्र और सांस्कृतिक केन्द्र विकसित किया जाएगा।

## संवारा जाएगा 84 कोसी मार्ग

84 कोसी परिक्रमा मार्ग भी संवारा जाएगा। राज्य के 5 जिलों अयोध्या, गोण्डा, बस्ती, अम्बेडकर नगर व बाराबंकी की सीमाओं को छूने वाले 250 किलोमीटर के दायरे वाले इस मार्ग का पर्यटन की दृष्टि से विकास करवाया जाएगा।

## कई कुंड भी संवरेंगे

अयोध्या के सूर्य कुंड का भी विकास होगा। इसी तरह विकास खंड मसौधा में भरतकुंड का पुनरुद्धार व सुन्दरीकरण होगा। इनके अलावा सात अविकसित/जीर्णशीर्ण हनुमान कुंड, स्वर्ण खनि कुंड, सीता कुंड, अग्नि कुंड, खुर्ज कुंड, गणेश कुंड और दशरथ कुंड का भी सुन्दरीकरण किया जाएगा।

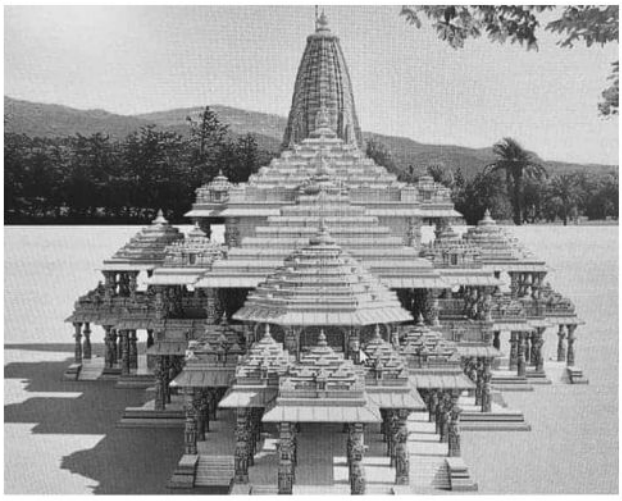

## ऐसा होगा राम मंदिर

राम मंदिर करीब साढ़े तीन साल में बनकर तैयार होगा। क्षेत्रफल 84600 वर्ग फीट होगा। 360 फीट लम्बा और 235 फीट चौड़ा होगा मंदिर। गर्भगृह और रंगमंडप के बीच गूढ़ मंडप होंगे। दाएं-बाएं अलग-अलग कीर्तन व प्रार्थना मंडप होगा। मंदिर में कुल छह शिखर होंगे। एक मुख्य और पांच उपशिखर होंगे। मंदिर तीन तल का होगा। प्रत्येक तल पर 8 फीट व्यास वाले 106 स्तंभ होंगे, जो 14 से 16 फीट तक ऊंचे और आठ फीट व्यास वाले होंगे। प्रत्येक स्तंभ में यक्ष-यक्षणियों की 16 मूर्तियां होंगी। मंदिर में रामलला साढ़े नौ किलो चांदी से निर्मित सिंहासन पर विराजमान होंगे। भाइयों के लिए भी रजत सिंहासन बनेगा। मंदिर में तीन लाख टन बलुआ पत्थर लगेगा।

अयोध्या में पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार अपना खजाना खोलेगी। अयोध्या में टैगोर कल्चरल कॉम्पलेक्स के नाम से एक रामलीला अकादमी बनेगी। इस अकादमी में भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के विभिन्न देशों की रामलीला शैलियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उनसे जुड़े विभिन्न पक्षों पर शोध और अध्ययन भी होगा। अयोध्या में ही वर्चुअल रामायण म्यूजियम के भवन निर्माण का खर्च भी केन्द्र सरकार उठाएगी।

## बनेगा एलिवेटेड मार्ग

अयोध्या में एनएच 27 बाईपास से निकल कर महोबरा बाजार होते हुए टेढ़ी बाजार/राम जन्मभूमि तक एलिवेटेड मार्ग का निर्माण होगा। इसकी अनुमानित लम्बाई 1.90 कि.मी. और अनुमानित लागत 275.25 करोड़ होगी।

## दो लेन का रेलवे ओवरब्रिज

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ क्रासिंग संख्या-112 पर दो लेन का रेलवे ओवरब्रिज बनेगा। उतरौला-अयोध्या-प्रयागराज अन्य जिला मार्ग पर वाराणसी लखनऊ से रेल सेक्शन दर्शन नगर के पास चार लेन का ओवरब्रिज बनेगा।

श्री राम मंदिर के मॉडल पर होगा रेल्वे स्टेशन

## चौदह कोसी परिक्रमा पर दो ओवरब्रिज

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर सूर्यकुंड स्थित रेलवे क्रासिंग संख्या-105 पर दो रेलवे ओवरब्रिज, रेल प्रखंड जफराबाद-अयोध्या लखनऊ के फैजाबाद स्टेशन के पश्चिम यार्ड में क्रासिंग संख्या 121 बी पर चार लेन का ओवरब्रिज, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर हलकारा का पुरवा में ओवरब्रिज बनेगा।

## सड़कें होंगी चौड़ी

एनएच-27 से जन्मभूमि स्थल तक के मार्गों का चौड़ीकरण होगा। इनमें 210.62 करोड़ की लागत से सहादतगंज-नयाघाट मार्ग का चौड़ीकरण व सुन्दरीकरण, 8.60 करोड़ से एनएच 27 से अयोध्या-फैजाबाद मुख्यमार्ग तक चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य शामिल है। इसी तरह जन्मभूमि परिसर के चारों तरफ जाने वाली सड़कों का सुदृढ़ीकरण और नव निर्माण कार्य होगा।

## अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग फोर लेन होगा

अयोध्या-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग(एनएच-30) से एयरपोर्ट तक फोर लेन सड़क का नवनिर्माण कार्य 18.75 करोड़ की लागत से होगा। रानोपाली रेलवे क्रासिंग से विद्याकुंड मार्ग पर सुदृढ़ीकरण 4.46 करोड़ की लागत से होगा।

## सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराएगी इक्ष्वाकु नगरी

अयोध्या की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से दुनिया को परिचित कराने को यहां इक्ष्वाकु नगरी बनाने का प्रस्ताव है। इसके लिए गोण्डा, बस्ती जनपद के 90 गांवों को शामिल किया जाना है। इसमें रामायणकालीन सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक इतिहास को विभिन्न माध्यमों से नए संदर्भों में प्रस्तुत किया जाएगा।

## ये होंगी वाटिकाएं

पंचवटी - आंवला, बेल, बरगद, पीपल और अशोक के समूह को पंचवटी कहते हैं। इसे पंचभूतों से भी जोड़कर देखा जाता है स्कंद पुराण में इसका वर्णन मिलता है।

**हरिशंकरी** - इस वाटिका में भगवान विष्णु और शंकर की कृपा मानी जाती है। इसके तहत पीपल, पाकड़ और बरगद इस प्रकार रोपित किए जाते हैं कि तीनों का संयुक्त छत्र विकसित हो।

**नक्षत्र वाटिका** - 27 नक्षत्रों से संबंधित पौधे रोपे जा रहे हैं। अश्विनी-कुचला, भरणि-आंवला, कृतिका-गूलर, रोहिणी-जामुन, मृगशिरा-खैर, आर्द्रा-शीशम, पुनर्वसु-बांस, पुष्य-पीपल, आश्लेषा-नागकेसर, मघा-बरगद, पूर्वा फाल्गुनी-पलाश, उत्तरा फाल्गुनी-पाकड़, हस्त-रीठा, चित्रा-बेल, स्वाति-अर्जुन, बिसाखा-विककत, अनुराधा-मौलश्री, ज्येष्ठा-चीड़, मूल-साल, पूर्वाषाढ़ा-जलवेतस, उत्तरासाढ़ा-कटहल, श्रवण-मदार, धन्ष्ठिा-शमी, शतभिषक-कदंब, पूर्वा भाद्रपद-आम, उत्तरा भाद्रपद-नीम, रेवती-महुआ।

## अमेरिका में जश्न

राम मंदिर की नींव रखे जाने का अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों ने दीये जलाकर जश्न मनाया। इस दौरान कैपिटल हिल में राम मंदिर की तस्वीरों वाली एक झांकी भी निकाली गई।

## चारों धाम में खास पूजा

राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन और शिलान्यास को लेकर उत्तराखंड में भी उत्सव जैसा माहौल रहा। चारों धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री में इस मौके पर खास पूजा अर्चना हुई। हर की पौड़ी दीयों की रोशनी से जगमगाती नजर आई।

## मायके में उत्सव

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन की खुशी में मां सीता के मायके जनकपुर(नेपाल) में भी उत्सव मनाया गया। जनकपुर स्थित प्रसिद्ध जानकी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हुई और सम्पूर्ण मंदिर परिसर को 11 हजार दीपों से सजाया गया।

## सीतामढ़ी में राम पताका

मां सीता की धरती सीतामढ़ी 'श्री सीताराम' से गुंजायमान रही। मां सीता सीतामढ़ी में जमीन से प्रकट हुई थीं।

## वंदन-अभिनंदन

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एक धार्मिक मामले से कहीं अधिक है और वह उच्चतम मानवीय मूल्यों की पुनःस्थापना का अवसर है। भगवान राम के आचरण और मूल्य भारत की चेतना के मूल तत्व हैं, जो सभी तरह के विभाजन और बाधाओं से ऊपर है।

**- एम. वेंकैया नायडू,** उपराष्ट्रपति

## रामराज्य का मार्ग प्रशस्त

राममंदिर का शिलान्यास देश के लिए ऐतिहासिक दिन है। रथयात्रा मेरा परम कर्त्तव्य था। राममंदिर सशक्त और समावेशी देश का प्रतीक बनेगा। इससे रामराज्य का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीराम हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। सभी देशवासियों के लिए ये प्रेरणा बनेगा।

**- लालकृष्ण आडवाणी**

## राम प्रेम और न्याय हैं

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सर्वोत्तम मानवीय गुणों का स्वरूप हैं। वे हमारे मन की गहराइयों में बसी मानवता की मूल भावना हैं। राम प्रेम हैं। वह कभी घृणा में प्रकट नहीं हो सकते। राम करुणा हैं। वह कभी क्रूरता में प्रकट नहीं हो सकते। राम न्याय हैं। वह कभी अन्याय में प्रकट नहीं हो सकते।

**- राहुल गांधी**

श्रीराम का हमारी संस्कृति और सभ्यता में विशिष्ट स्थान है। उनका जीवन हम सभी के लिए सत्य, न्याय, समानता, करुणा और भाईचारे की सीख देने वाला है।

**- अशोक गहलोत**

भगवान राम के आशीर्वाद से देश को भुखमरी, अशिक्षा और गरीबी से मुक्ति मिले और भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बने। जयश्री राम। जयश्री बजरंग बली।

**- अरविन्द केजरीवाल**

हमारे देश ने विविधता में एकता की दशकों पुरानी परम्परा बनाये रखी है और हमें अपनी अंतिम सांस तक इसे बनाये रखना है।

**- ममता बनर्जी**

राम मंदिर केवल मंदिर नहीं है, बल्कि एक भावना है। मेरे लिए अयोध्या प्रतीकात्मक है। वह सदियों की सभ्यता के रूप में हमारे पास है।

**- कंगना रनौत**

## चाचाजी का मिशन पूरा हुआ

चाचाजी(अशोक सिंघल) होते तो उन्हें बड़ा गर्व होता। उनके सामने और उनकी अगुवाई में सब कुछ होता। मुझे खुशी है कि उनका मिशन पूरा होने जा रहा है। मैं तो यह भी मानता हूं कि हमारा भाग्य है कि हम चाचाजी के साथ बड़े हुए और उनसे जीवन में बहुत कुछ सीखा-समझा।

- अरविंद सिंघल, (पूजन समारोह के यजमान सलिल सिंघल के लघु भ्राता)

श्रीराम के अभय व श्रीकृष्ण के उन्मुक्त भाव से सभी परिपूर्ण रहें। आशा है वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियां भी मर्यादा पुरुषोत्तम के दिखाये मार्ग के अनुरूप सच्चे मन से सभी की भलाई व शान्ति के लिए मर्यादाओं का पालन करेंगी।

- अखिलेश यादव

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन सद्भाव और समरसता के साथ संपन्न होना 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की ताकत और 'अनेकता में एकता' की शक्ति के साथ पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान की धाक मजबूत करता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम किसी सीमित दायरे में नहीं बांधे जा सकते। वह न केवल हिन्दुस्तान, बल्कि पूरी मानवता के लिए आदर्श हैं।

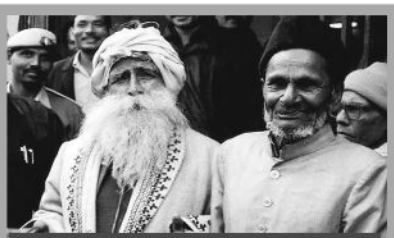

स्व. महंत परमहंस और हाशिम अंसारी

दशकों से जिस मुद्दे ने भारत के लोगों को बेचैन कर रखा था, जिसके समाधान के लिए महंत रामदास जी परमहंस और हाशिम अंसारी एक ही रिक्शे से मुकदमे की पैरवी के लिए अदालत जाया करते थे। हाशिम अंसारी के मन में भी भगवान राम के प्रति भरपूर श्रद्धा थी, तभी तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के बाद उन्होंने कहा था, 'अब यह विवाद यहीं खत्म होना चाहिए, श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण हो, अयोध्या का विकास हो, अब यही मेरी तमन्ना है।'

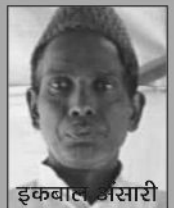

इकबाल अंसारी

तब से अब तक सरयू में खूब पानी बह चुका है, अब न महंत रामदास जी परमहंस इस दुनिया में हैं, और न हाशिम अंसारी। खुशी की बात यह है कि हाशिम अंसारी के बेटे इकबाल अंसारी मंदिर पूजन के भव्य ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने। भारत का इतिहास इस बात का गवाह रहेगा कि कितना लम्बा खिंचा है अयोध्या का यह मामला। सम्मान, सहमति और सद्भाव के सुंदर माहौल में यह विवाद खत्म ही नहीं हुआ, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का सपना भी साकार होने जा रहा है।

- मुख्तार अब्बास नकवी

## स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

# उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

## (Retail Revolution)

शुद्धता -- विश्वसनीयता -- गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में उत्तरी भारत के सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है।

## सुपर मार्केट की नियमित स्कीमें

- 1 किलो शक्कर आधी कीमत पर 1500.00 रुपये की खरीद पर
  या
- 1 किलो शक्कर मुफ्त 2500.00 रुपये की खरीद पर
  या
- 1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त 3500.00 रुपये की खरीद पर

- समस्त उत्पाद (M.R.P.) से कम दरों पर, 5 प्रतिशत की छूट समस्त नहाने के साबुन / समस्त कपड़े धोने के साबुन / समस्त डिसवॉश बार / बिस्किट पर

- 510 रुपये जमा करा कर भण्डार के सदस्य बन कर 1 प्रतिशत छूट एवं अनेक स्कीम का लाभ उठायें

- 101 रुपये का सामान प्रतिमाह जीवन भर मुफ्त
  (10 हजार जमा योजना अन्तर्गत भण्डार में 10 हजार से 80 हजार तक जमा कराते हुए 101 से 808 रुपये तक का सामान प्रतिमाह मुफ्त पायें)

- 0.50 प्रतिशत की छूट कैशलेस खरीद पर
  समस्त 16 सुपरमार्केट, 32 सहकारी दवाघर तथा 5 छोटी जनरल-ग्रोसरी शाखाओं सहित कुल 53 शाखाओं पर यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

(शर्तें लागू) *

- www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाइन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रुपये करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रुपये जमा हैं वे 400 रुपये और जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें।

| (पी. पी. माण्डोत) | (राजकुमार खांडिया) |
|---|---|
| प्रशासक | महाप्रबन्धक |

# सीमाओं को मिला राफेल का कवच

- 22 साल बाद वायुसेना की ताकत में बदलाव
- फ्रांस से आए पांचों विमान अम्बाला एयरबेस पर तैनात

✍ नंद किशोर

**भारतीय वायुसेना का अहम हिस्सा बनने जा रहे राफेल को सैन्य विशेषज्ञों ने युद्ध क्षेत्र का हरफनमौला लड़ाकू विमान करार दिया है, जिसके आगे पाकिस्तान के पास मौजूद अमेरिकी एफ-16 या चीन का जे-20 कहीं नहीं ठहरते। दुर्गम इलाकों में नीची उड़ान से लेकर आसमान को छूने वाली ऊंचाई में राफेल बेजोड़ हैं। हर मौसम और दुर्गम इलाकों में ऑपरेशन में सक्षम राफेल छोटी सैन्य पट्टी पर भी उतर सकता है। राफेल ओमनी रोल लड़ाकू विमान है, यह परमाणु हमला करने में भी सक्षम है। इसे समुद्र में चलते हुए विमानवाहक पोत पर उतारा सकता है। 360 डिग्री दृश्यता की वजह से पायलट किसी भी ओर लक्ष्य को भेद सकता है।**

भारत में राफेल जैसे लड़ाकू विमान का लम्बे समय से चल रहा इन्तजार 29 जुलाई को तब समाप्त हो गया, जब सुखोई विमानों की निगहबानी में फ्रांस में निर्मित पांच 'राफेल' विमानों की पहली खेप अम्बाला एयरबेस पर उतरी। जिनका वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने 'वाटर सेल्यूट'(पानी की बौछार) से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। राफेल को लाने वाले पायलटों की टीम में द. कश्मीर से एयर कोमोडोर हिलाल अहमद, यूपी(बलिया) से कोमोडोर मनीष सिंह, राजस्थान(जालोर) से विंग कमाण्डर अभिषेक त्रिपाठी, गुरुग्राम के रोहित कटारिया शामिल थे। राफेल के साथ भारतीय ग्राउण्ड स्टाफ भी प्रशिक्षण लेकर लौटा है। राफेल के भारत पहुंचे बेड़े में तीन सिंगल सीटर और दो डबल सीट वाले विमान शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राफेल से पहले 1979 में ब्रिटेन के जगुआर विमान भारतीय बेड़े में शामिल होने के लिए पहली बार अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे थे।

चीन से सीमा पार तनाव के बीच फ्रांस द्वारा राफेल की सप्लाई को सामरिक व रणनीतिक जानकार भारत-फ्रांस के बेहद खास होते रिश्तों से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि फ्रांस से रणनीतिक संबंध लगभग उस दिशा में बढ़ रहे हैं जैसे भारत और रूस के बीच की दोस्ती रही है। फ्रांस जरूरत के वक्त न सिर्फ भारत को हथियार दे रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र में मुखर होकर भारत के साथ खड़ा होता है। फ्रांस से हमारे रिश्ते बहुत खास पड़ाव पर हैं।

राफेल का ऐसे वक्त में भारत आना जब चीन से सीमा पर तनाव की स्थिति है आसान बात नहीं है। बल्कि फ्रांस ने ऐसे वक्त में राफेल की सप्लाई से स्पष्ट संदेश दिया है कि वह भारत के रणनीतिक हितों पर साथ खड़ा है। राफेल के आने से भारत वायु में चीन के प्रभाव को टक्कर देने में सक्षम हुआ है। लेकिन ज्यादा बड़ा संदेश ये भी है कि भारत के साथ कई ऐसे देश खुलकर रणनीतिक साझेदार के तौर पर खड़े हैं जिनकी ताकत काफी ज्यादा है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हम रक्षा सौदों में दो दशक से ज्यादा ढिलाई की वजह से कोई भी लड़ाकू विमान खरीद नहीं पा रहे थे। जब 2016 में फ्रांस के साथ 36 राफेल के लिए सौदा हुआ, तब हमें भूलना नहीं चाहिए कि उसे लेकर किस तरहके विवाद हुए थे। राजनीतिक क्षेत्र में किस तरह से चर्चाएं हुई थीं। बहुत अप्रिय ढंग से आरोप-प्रत्यारोप लगे थे। संभव है,

जिस तरह पाकिस्तान ने कारगिल को लेकर तैयारियां की थीं, कुछ ऐसी तैयारियां चीन की इस बार गलवान में थीं। जिस तरह से पाकिस्तान पूरी तैयारी के साथ कारगिल की चोटियों पर बैठ गया था, ठीक उसी तरह चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी के कई क्षेत्रों में तम्बू गाड़ दिए थे। वे लम्बे वक्त के लिए रसद समेत अन्य सामान लाए थे। कारगिल में पाकिस्तान सेना सिर्फ मोर्चे पर थी, पर गलवान में पीएलए के सपोर्ट में चीन की वायुसेना से लेकर पूरा सिस्टम था। हम कूटनीतिक तौर पर ज्यादा सफल रहे हैं। जिस तरह के कूटनीतिक प्रयास कारगिल के वक्त हुए थे, ठीक वैसे ही इस बार भी हुए और चीन को पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। गलवान में जो हुआ उसमें इमरजेंसी सपोर्ट सिस्टम को ज्यादा सक्रिय होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। साथ ही बार्डर पर पेट्रोलिंग न होने का नाजायज फायदा तब कारगिल में पाकिस्तान ने उठाया और अब चीन उठाना चाह रहा था।

राजनीतिक विवाद न होते और रक्षा सौदों के प्रति हमारे प्रतिष्ठानों में पूरी निष्ठा व त्वरा होती, तो भारत को नए विमानों के लिए इतना लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ता।

पिछली सदी में सुखोई विमान खरीदे गए थे, अब 23 साल बाद राफेल मिला है, तो भारत में इसके मानसिक-सामरिक महत्व को समझा जा सकता है। अव्वल तो भारतीय गगन में एक असुरक्षा का भाव आने लगा था, पुराने पड़ चुके मिग विमानों की दुखद स्थिति आए दिन रुलाने लगी थी। ऐसे विमानों को उड़ाने की जरूरत पड़ रही थी कि जिन्हें उड़ते ताबूत तक कह दिया जाता था। बेशक, अब राफेल के आने के बाद हम अपनी वायुसेना के और उज्ज्वल भविष्य की ओर देख सकेंगे। सुखोई-30 जैसे विमान अभी भी सेवारत हैं, लेकिन सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें राफेल या उससे भी विकसित 200 से ज्यादा विमानों की जरूरत है। और अभी तो पांच विमानों के साथ शुरुआत हुई है, अगले साल तक जब सभी 36 राफेल भारत आ जाएंगे, तो जाहिर है, देशवासियों को ज्यादा सुरक्षा का एहसास कराएंगे।

राफेल का आना हमारे लिए एक प्रेरणा भी है कि हम आगे के लिए और तैयार रहें। संसाधनों से भरे भारत में अब उस दौर का आगाज हो जाना चाहिए, जब हमें किसी भी देश से कोई रक्षा उपकरण खरीदने की जरूरत नहीं पड़े। अभी भारत स्वयं अगर बहुत सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरे विकसित सहयोगी देशों के साथ मिलकर अपनी ही सीमा में रक्षा निर्माण उद्यम लगाना चाहिए। यह प्रयास शुरुआत में बहुत महंगा भले ही लगे, लेकिन दूरगामी रूप से भारत को इससे व्यापक मजबूती मिलेगी।

## ये है बेजोड़ ताकत

- एंटी एक्सेस, एरिया डिनायल कैपिसिटी से दुश्मन की जमीनी-हवाई ताकत को बेबस कर सकता है।
- टोही विमान के तौर पर दुश्मन के इलाकों में गुपचुप निगरानी, रियल टाइम, नक्शा हासिल करता है।
- जमीनी सेना को दुश्मन से हवाई सुरक्षा कवच देने में अचूक समन्वय प्रणाली से लैस
- डायनैमिक टारगेटिंग से नए निशानों पर वार में सक्षम, जैमर्स का असर नहीं पड़ता।
- हर मौसम में उड़ान हमले में कारगर, रियल टाइम थ्रीडी मैप जनरेट कर सकता है।

## ज्यादा लक्ष्यों पर साध सकता है निशाना

राफेल का रडार 100 किलोमीटर के दायरे में एक साथ 40 लक्ष्यों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त कर सकता है। वह उड़ान के दौरान नए लक्ष्यों की मैपिंग में भी सक्षम है। जे-20 की क्षमता 24 लक्ष्यों तक है। एफ-16 का रडार 84 किमी क्षेत्र में 20 लक्ष्य ही पहचान सकता है।

## आधुनिक फाइटर जेट

- 4.5 पीढ़ी का विमान है दसॉल्ट का राफेल
- एफ 16 चौथी पीढ़ी का अमेरिकी विमान
- जे-20 के 5वीं पीढ़ी के दावों पर सवाल

## मारक क्षमता

- राफेल - 3700 किलोमीटर
- एफ 16-4200 किलोमीटर
- जे20-3400 किलोमीटर

(कॉबैट रेडियस या मारक क्षमता दिखाती है कि उड़ानस्थल से विमान कितनी दूर तक हमला कर लौट सकता है।)

## लड़ाकू विमान की रफ्तार ध्वनि से दोगुना

- **राफेल** : 2450 किलोमीटर प्रतिघंटा
- **एफ-16** : 2414 किलोमीटर प्रति घंटा
- **जे-20** : 2000 किलोमीटर प्रति घंटा

## ज्यादा हथियार ले जाने की क्षमता

- **राफेल** : 26 टन
- **जे-20** : 12.5 टन
- **एफ-16** : 20 टन

## अधिकतम ऊंचाई

- **राफेल** : 60 हजार फीट
- **जे-20** : 55 से 65 हजार फीट
- **एफ-16** : 65 हजार फीट

## किसमें कितना दम

**विमान-ऊपर उठने की क्षमता** : एक मिनट में कितनी ऊंचाई

- **राफेल** : 300 मीटर प्रति सेकेण्ड : 18 हजार 300 मीटर
- **एफ-16** : 254 मीटर प्रति सेकेण्ड 15,240 मीटर
- **जे-20** : 304 मीटर प्रति सेकेण्ड 18,240 मीटर

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#राजस्थान_सतर्क_है

Rajiv@75 | 150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

# दूरदर्शी सोच के धनी...



कोरोना महामारी से प्रभावी मुकाबले में संचार तकनीक की बड़ी भूमिका रही। यह देश में संचार क्रांति की नींव रखने वाले स्व. श्री राजीव गांधी के कारण ही संभव हो पाया। देश का पंचायतीराज तंत्र भी उनकी व्यापक सोच से ही मजबूत हुआ है। आईये, इस सद्‌भावना दिवस पर हम 21वीं सदी के स्वप्नदृष्टा स्व.श्री राजीव गांधी जी की दूरगामी सोच को नमन करें।



**अशोक गहलोत**
मुख्यमंत्री, राजस्थान

भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

## स्व. श्री राजीव गांधी

जन्मदिवस-20 अगस्त (1944-1991)

**सद्‌भावना दिवस पर शत्-शत् नमन**

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

## बिहार विधानसभा चुनाव-2020

# एनडीए के तीर नाकाम करने की चुनौती

*बिहार में विधानसभा चुनाव के रण का बिगुल बजने ही वाला है। मैदान में उतरने के लिए पार्टियां अपने-अपने नेतृत्व के साथ रणबांकुरों के चयन में मशगूल हैं। यह चुनावी घमासान इसलिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इस साल और किसी राज्य में विधानसभा चुनाव नहीं है। पार्टियों के गठबन्धन-महागठबन्धन अपनी पैंतरेबाजी से इस रण को जीतने का भरपूर प्रयास इसलिए भी करेंगे, क्योंकि अगले वर्ष उन्हें छह राज्यों में फिर विधानसभा चुनावों का सामना करना है।*

✍ उमेश शर्मा

लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 सीटों में से 39 पर कब्जा करने वाले एनडीए के लिए बिहार विधानसभा चुनाव 2020 की राह इतनी आसान नहीं है, जितनी उसे दिखाई दे रही है। सभी जानते हैं कि लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय मुद्दे और विधानसभा के चुनाव स्थानीय मुद्दे पर लड़े जाते हैं। बात अगर बिहार के स्थानीय मुद्दों की करें तो इस बार विपक्ष के लिए मुद्दों की भरमार है। जो एनडीए के मिशन-2020 पर पानी फेर भी सकते हैं।

## चुनाव के मुद्दे

कोरोना महामारी के चलते होने वाले विधानसभा चुनाव में विपक्ष के पास मुद्दों की कमी नहीं है। बिहार में कोरोना के हालात को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता भी रहा है। इसके अलावा लॉकडाउन की वजह से बिहार लौटे प्रवासी मजदूर, नियोजित शिक्षकों का मुद्दा, बाढ़, बारिश में जलजमाव का मुद्दा, पटना की बदहाली जैसे कई मुद्दे हैं, जिस पर मौजूदा सरकार घिर सकती है। इसके अलावा, इन सभी मुद्दों पर गोपालगंज के सत्तरघाट पुल का मामला नितीश सरकार पर भारी पड़ सकता है।

## चुनावी चेहरा कौन?

यह स्पष्ट है कि सत्तारूढ़ एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम और नितीश कुमार के चेहरे के भरोसे पर लड़ने जा रहा है। लेकिन हाल के दिनों में महागठबंधन की तरफ से जिस प्रकार नितीश कुमार पर हमले किए जा रहे हैं, इसे देखकर समझना मुश्किल नहीं है कि विपक्ष की स्ट्रेटजी नितीश की छवि को धूमिल करना है, ताकि विधानसभा चुनाव में बेड़ा पार हो सके।

विपक्ष का मानना है कि विधानसभा चुनाव में केन्द्र के मुद्दे नहीं चलने वाले। बल्कि स्थानीय स्तर पर परेशानियों से जूझ रही जनता नितीश के खिलाफ जा सकती है। हालांकि यह भी सच है कि महागठबंधन के भीतर चेहरे की लड़ाई की वजह से अभी तक एनडीए खेमा ही भारी दिख रहा है।

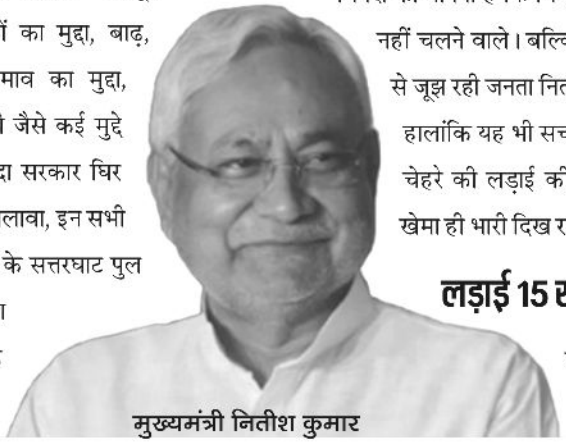
मुख्यमंत्री नितीश कुमार

## लड़ाई 15 साल बनाम 15 साल

एनडीए की ओर से लगातार लालू-राबड़ी के 15 साल के

शासनकाल को, बिहार की बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। अब महागठबंधन खासकर राजद की ओर से नितीश के 15 साल के शासनकाल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राजद का आरोप है कि नितीश के शासनकाल में उद्योग-धंधों के हालात तो नहीं बदले, अलबत्ता सरकार ने घोटालों पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विपक्ष का सवाल है कि अगर नितीश के 15 साल के शासनकाल में वास्तव में विकास का काम हुआ है तो बिहार से पलायन क्यों नहीं रूक रहा ? कोरोना की वजह से लॉकडाउन में 25 लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूर वापस बिहार लौटे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि अपने 15 साल के शासनकाल में नितीश कुमार ने गाल बजाने के अलावा कुछ भी नहीं किया।

## 2015 में लालू-नितीश थे साथ

कोरोना महामारी के बीच बिहार पहला ऐसा राज्य है जहां विधानसभा के चुनाव अपने तय समय पर होने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 इस मायने में भी दिलचस्प है, क्योंकि 2015 में लालू के साथ भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले नितीश इस बार भाजपा के साथ है। नितीश कुमार ने 2015 में लालू के साथ मिलकर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाई थी। लेकिन लालू पर फिर से भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद, 2017 में नितीश कुमार ने घर वापसी करते हुए भाजपा के साथ मिलकर एनडीए की सरकार बना ली थी। बता दें कि 2015 विधानसभा चुनाव में राजद ने 80 जदयू ने 70, कांग्रेस ने 26 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं भाजपा मात्र 54 सीटों पर सिमट गई थी।

## लालू ने दिलाई थी जीत

2015 के विधानसभा चुनाव का रूख उस वक्त बिल्कुल पलट गया था जब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण पर फिर से समीक्षा की बात कही थी। खांटी राजनीतिज्ञ लालू प्रसाद यादव ने इस मुद्दे को हाथों-हाथ लपका और पूरे चुनाव को बैकवर्ड-फॉरवर्ड की लड़ाई का रूप दे दिया। इसके नतीजे के तौर पर महागठबंधन को भारी जीत हासिल हुई और नितीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बने। अब विधानसभा 2020 के चुनाव के पहले एक बार फिर लालू प्रसाद यादव को रांची जेल से बाहर निकालने की कवायद की जा रही है। इस सम्बंध में झारखण्ड की हेमंत सोरेन सरकार ने फाइल पर अपनी सहमति दे दी है। यादव को अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक पैरोल पर बाहर लाया जा सकता है। बड़ा सवाल यह भी है कि क्या पैरोल पर जेल से बाहर आने वाले लालू यादव चुनाव में सक्रिय भूमिका निभा पाएंगे? क्या लालू प्रसाद यादव का करिश्मा 2015 की तरह 2020 में भी देखने को मिल सकेगा? और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या तेजस्वी यादव के नेतृत्व को महागठबंधन के बड़े नेता स्वीकार करेंगे ?

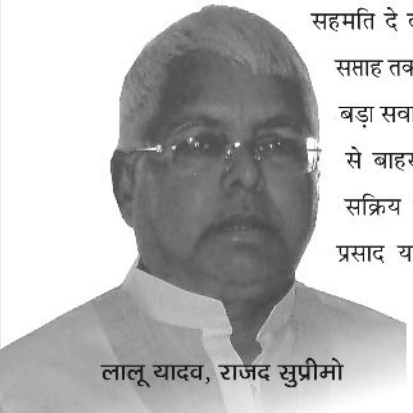

लालू यादव, राजद सुप्रीमो

***अक्टूबर-नवम्बर में बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ मुद्दों की कमी नहीं, लेकिन क्या विपक्ष एक जुट होकर कर पाएगा अपना बेड़ा पार? गोपालगंज के सत्तरघाट पुल का मामला नितिश सरकार पर पड़ सकता है भारी। 2015 में लालू यादव के पैंतरे ने दिलाई थी महागठबंधन को जीत, लेकिन 2017 में नितीश ने लालू से नाता तोड़ घर वापसी करते हुए भाजपा से सांठ-गांठ कर अपनी सत्ता को पुनः सुरक्षित कर लिया था। लालू यादव भ्रष्टाचार के आरोप में अभी जेल में हैं और कांग्रेस 243 सीटों वाले सदन में मात्र 26 विधायकों वाली पार्टी है। ऐसे में महागठबंधन के भीतर चेहरे पर भी एक राय हो पाएगी या नहीं यह भावी परिदृश्य पर ही निर्भर होगा।***

कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, प्रभारी सचिव विरेन्द्र सिंह राठौर, अजय कपूर और विधायक दल के नेता सदानंद सिंह को नाराज नेताओं को समझाने-बुझाने का जिम्मा सौंपा है। पार्टी पुराने और अनुभवी नेताओं को मुख्यधारा में लाकर अपना पलड़ा भारी करना चाहती है।

## नवम्बर मध्य से पहले चुनाव

साढ़े 12 करोड़ की आबादी और 7 करोड़ 31 लाख मतदाता वाले बिहार में चुनाव आयोग के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार बिहार में बूथ की संख्या 73 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 6 हजार की जा रही है। निर्वाचन आयोग ने यह फैसला कोरोना काल में मतदाताओं के बीच सोशल डिस्टेंसिंग के मद्देनजर लिया है। बता दें कि 2015 विधानसभा चुनाव पांच चरण में कराए गए थे। लेकिन इस बार जदयू ने मांग की है कि चुनाव को एक फेज में ही संपन्न करा लिया जाए।

निर्वाचन आयोग ने भी कहा है कि क्योंकि 2020 में बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य में चुनाव नहीं है। लिहाजा केन्द्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों को मतदान कार्य में लगाकर एक फेज में भी चुनाव कराया जाना संभव है। हालांकि चुनाव कितने फेज में होंगे यह तो संभवत: अक्टूबर के पहले हफ्ते तक चुनाव आयोग तय कर लेगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव

## 2019 के परिणाम दोहरा पाएगी एनडीए?

2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए ने बिहार में 53 प्रतिशत वोट हासिल कर 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा को 17, जदयू को 16, एलजीपी को 6 और कांग्रेस को मात्र 1 सीट हासिल हुई थी। जबकि 2019 के चुनाव में लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी का खाता तक नहीं खुला था। 2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए को मिली सीटों को अगर विधानसभा के सीटों के अनुसार देखें, तो बिहार के 243 विधानसभा में से 96 सीटों पर भाजपा, 92 पर जेडीयू और 35 पर एलजेपी को बढ़त मिली थी। वहीं अगर बात करें महागठबंधन की तो राजद को 9, कांग्रेस को 5, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा को 2, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी को 1 सीट पर बढ़त मिली थी। लेकिन वोटिंग प्रतिशत की बात करें तो, महागठबंधन को करीब 30 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे।

## 2021 में कड़ी परीक्षा

बिहार विधानसभा का कार्यकाल इस वर्ष 29 नवम्बर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में वहां अक्टूबर-नवम्बर में चुनाव होने ही हैं। बिहार का यह चुनावी रण हर दल, गठबंधन- महागठबंधन इसलिए भी जीतना चाहेगा क्योंकि 2021 में 6 राज्यों में चुनाव होने हैं। चुनावों का यह सिलसिला फरवरी-मार्च से शुरू होकर जून मध्य तक चलेगा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव फरवरी-मार्च में होने हैं, हालांकि वहां धारा 370 हटने के बाद चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन की चर्चाएं भी हैं। ऐसे में अभी वहां चुनाव तिथियों को लेकर निश्चित तौर पर कुछ कहा नहीं जा सकता। वर्तमान तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 24 मई, पं. बंगाल विधानसभा का 30 मई, असम विधानसभा का 31 मई, केरल विधानसभा का 1 जून और पुडुचेरी विधानसभा का कार्यकाल 8 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसे में एनडीए और यूपीए सहित क्षेत्रीय दलों के राजनैतिक भविष्य की दृष्टि से 2021 कड़ी परीक्षा का वर्ष होगा।


स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

# दी डूंगरपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालयः न्यू कॉलोनी, डूंगरपुर–314001, E-mail: dccb.dungarpur@rajasthan.gov.in

(हमारी ऋण योजनाएं)

- मुख्यमंत्री ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना
- मध्यकालीन कृषि/अकृषि ऋण
- कृषक मित्र योजना
- लघु सिंचाई योजना
- ट्रेक्टर व कृषि उपकरण हेतु ऋण
- वाहन ऋण योजना
- औद्योगिक मियादी व कार्यशील पूंजी ऋण
- व्यापारिक केश क्रेडिट लिमिट
- सहकार किसान कल्याण ऋण योजना
- जन मंगल भवन ऋण
- सहकार स्वरोजगार योजना
- ज्ञान सागर ऋण योजना
- व्यक्तिगत ऋण योजना
- राष्ट्रीय बचत पत्र के विरुद्ध ऋण
- स्वयं सहायता समूहों के ऋण
- किसान क्रेडिट कार्ड

सभी सम्मानीय ग्राहक खाते में निर्बाध/सुचारु संचालन हेतु आरबीआई नियमानुसार केवाईसी पूर्ण कराने हेतु सम्बन्धित शाखा से सम्पर्क करें।

**हमारी शाखाएंः–** सिटी डूँगरपुर, सागवाड़ा, सीमलवाड़ा, सायंकालीन डूँगरपुर, आसपुर, साबला, खड़गदा, धम्बोला एवं कनबा समस्त शाखाएं कोर बैंकिंग सुविधायुक्त, आरटीजीएस/एनईएफटी/एसएमएस अलर्ट/लॉकर्स सुविधाएं उपलब्ध हैं।

(बद्रीनारायण शर्मा)
चेयरमैन

(अश्विनी वशिष्ठ)
प्रबंध निदेशक

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)



स्वाधीनता दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

MEMBER J.K. ORGANISATION

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.



SELECTED Superbrand INDIA 2009-10 CONSUMER VALIDATED

युवाओं की आशाओं और सपनों का सफ़र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

# नियमों और प्रक्रियाओं के जटिल जाल से मुक्त हुई शिक्षा

भगवान प्रसाद गौड़

- व्यावसायिक और कौशल विकास पर रहेगा जोर
- शिक्षा को रोजगार से जोड़ने का काम होगा
- 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा
- शोध और नवोन्मेष को महत्त्वपूर्ण स्थान
- खुली और दूरस्थ शिक्षा के लिए मज़बूत बुनियादी संरचना-राष्ट्र निर्माण में युवाओं की ऊर्जा की महत्त्वपूर्ण भागीदारी

34 वर्षों के लम्बे इन्तजार के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को सरकार ने 29 जुलाई 20 को जारी कर दिया। यह नीति 484 पेज का व्यापक दस्तावेज है। इसकी प्रस्तुति में करीब 4 वर्ष लगे। हकीकत में शिक्षा एक महत्त्वपूर्ण विषय है। किसी भी देश का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है... शिक्षा का जैसा स्तर होगा, वैसा ही भविष्य बनेगा।

राष्ट्रपिता-महात्मा गांधी की सोच थी कि 'सभी को ऐसी शिक्षा मिले, जिससे सर्वांगीण विकास की ओर कदम बढ़ाए जा सकें।'

हमें याद है 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भी जो आजादी के बाद एक अहम कदम था। राष्ट्र की प्रगति, सामान्य नागरिकता एवं संस्कृति-राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य में 1968 की शिक्षा नीति सफल रही। जिसके लागू होने से शिक्षा का व्यापक-प्रचार हुआ।

## जीडीपी का 6% खर्च करेगी सरकार

नई शिक्षा नीति की खास बात यह है कि सरकार शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कुल बजट बजट की 6% राशि खर्च करेगी।

## चार वर्ष का लम्बा मंथन

'एनईपी' तैयार करने के लिए 31 अक्टूबर 2015 को मोदी सरकार 1.0 ने पूर्व कैबिनेट सचिव टी.एस.आर. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कमेटी गठित की। कमेटी ने 27 मई 2016 को रिपोर्ट दी। इसके बाद 24 जून 2017 को इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय कमेटी को नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट बनाने की जिम्मेदारी दी गई। जिसने 31 मई, 2019 को यह ड्राफ्ट मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' को सौंपी। ड्राफ्ट पर मंत्रालय ने लोगों से सुझाव मांगे। देश के कोने-कोने से सभी वर्गों के बड़ी संख्या में सुझाव आये। शायद भारत में पहली बार हुआ है कि शिक्षा नीति बनाने के लिए देश की 2.5 लाख ग्राम पंचायतों, 66000 ब्लॉक और 676 जिलों की सलाह ली गई। शिक्षाविदों, अध्यापकों, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और छात्रों तक के 2 लाख से अधिक सुझावों पर मंथन करके जनआकांक्षाओं की पूर्ति के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मूर्त रूप दिया गया।

## 2022-2023 सत्र में लागू होगी

नई शिक्षा नीति व्यापक बदलाव के साथ लचीली भी है। इस तरह से अब शिक्षा पाने से बच्चे आत्मनिर्भर हो सकेंगे। सत्र 2022-23 से लागू किया जाए। इससे समझ में वृद्धि होगी। रूचि के अनुसार पढ़ने की आजादी व्यक्ति को मजबूत और समर्पणशील बनाती है। अमेरिका, यूरोप, जापान आदि विकसित देशों में इस तरह की व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

## नई शिक्षा नीति की जरूरत क्यों?

आज का युग तकनीक का है, समय गति से बदल रहा है। बदलते वक्त की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए, इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने एवं देश को ज्ञान और विज्ञान का सुपर पावर बनाने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जरूरत हुई।

इसका मुख्य मकसद स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक समय की मांग और जरूरतों को ध्यान में रखकर पढ़ाना है। इससे युवाओं में कौशल विकास, आधुनिक अनुसंधान एवं रोजगार के नये अवसर पैदा करने में मदद मिल सकती है। आत्मनिर्भर बनने का सपना भी पूरा हो सकता है।

## शिक्षा मंत्रालय की वापसी

भारत की आजादी से लेकर 1985 तक केन्द्र में शिक्षा मंत्रालय ही था। परन्तु 1985 में राजीव गांधी सरकार ने इसका नाम बदलकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय कर दिया। जिसका आरएसएस और भाजपा ने विरोध भी किया था। अब दलील यह दी गई है कि मानव को संसाधन नहीं मान सकते, ये भारतीय मूल्यों के विरूद्ध है।

## शिक्षा का भारतीयकरण

यह शिक्षा नीति 'भारतीयकरण' की तरफ भी एक रचनात्मक कदम माना जा सकता है। लम्बे समय से आरएसएस इसकी मांग करता रहा है। मोहन भागवत अनेक बार कह चुके हैं कि 'प्राचीन ज्ञान परम्परा को किनारे रखकर भारत एक राष्ट्र के रूप में सबल नहीं हो सकता है।'

## नई शिक्षा नीति को यूं समझिए

### 1. 10+2 की जगह 5+3+3+4 का फार्मूला

अब बच्चा तीन वर्ष में स्कूल जाएगा। 3 वर्ष प्री स्कूल और कक्षा 1 व 2 रहेगी। उसके बाद तीसरी चौथी पांचवी की पढ़ाई। उसके बाद 5 से 8वीं और आखिर में 9 से 12वीं कक्षा की पढ़ाई। नई नीति के अनुसार अब प्ले स्कूल के शुरुआती 3 साल स्कूली शिक्षा में जुड़ेंगे।

### 2. त्रिभाषा फार्मूला

अ. 5वीं कक्षा तक मातृ भाषा या स्थानीय भाषा में पढ़ाई होगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि संभव हो तो 8वीं तक इस प्रक्रिया को अपनाया जाए।

ब. संस्कृत के साथ तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषा में पढ़ाई पर जोर दिया गया है।

## सीबीएसई परीक्षा के तहत स्कूल और कॉलेज

सेकेण्ड्री सेक्शन में स्कूल चाहे तो विदेशी भाषा का विकल्प दे सकता है। 'इसी को कुछ जानकार आरएसएस का एजेण्डा कह रहे हैं। उनका पूछना है – दक्षिण भारत का बच्चा दिल्ली में आएगा तो वो हिन्दी में कैसे पढ़ेगा?'

### बोर्ड परीक्षाएं

अब बोर्ड एक्जाम दो बार होंगे लेकिन इनको पास करने के लिए कोचिंग की जरूरत नहीं होगी। परीक्षाओं का स्वरूप बदलकर अब छात्रों की 'क्षमताओं का आंकलन' किया जाएगा। ना कि उनके याददाश्त का परीक्षण। केन्द्र की दलील है कि छात्रों पर नम्बरों का दबाव खत्म होगा। बोर्ड एक्जाम के अलावा 3, 5, 8 की परीक्षाएं होगी। जो कि राज्य सरकारें लेंगी। इसकी गाइडलाइन बनाने का काम नई एजेंसी को सौंपा गया है।

## अंडर ग्रेजुएट एण्ड पोस्ट ग्रेजुएट

**1. अंडर ग्रेजुएट(ग्रेजुएशन कोर्स)** - अब चार साल का होगा। बीच में कोर्स छोड़ने पर गुंजाइश भी दी गई है। पहले साल कोर्स करने के बाद छोड़ने पर सर्टिफिकेट मिलेगा, दूसरे साल के बाद एडवांस सर्टिफिकेट मिलेगा और तीसरे साल के बाद डिग्री एवं चार साल के बाद डिग्री मिलेगी वो भी शोध के साथ।

**2. पोस्ट ग्रेजुएट (3 विकल्प) -**

अ. दो वर्ष का मास्टर्स – 3 वर्ष की डिग्री वालों के लिए।

ब. चार वर्ष का डिग्री कोर्स – शोध के साथ करने वालों के लिए 1 साल में मास्टर अलग से कर सकेंगे।

स. 5 वर्ष का इंटिग्रेटेड प्रोग्राम जिसमें ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन दोनों एक साथ ही हो जाएंगे।

पीएचडी के लिए अनिवार्य होगी चार साल की डिग्री शोध के साथ। एमफिल को बंद कर दिया गया है।

## अन्य

1. अब विज्ञान या कॉमर्स के विद्यार्थी मानविकी के विषय पढ़ सकेंगे। (यह व्यवस्था स्नातक स्तर पर भी लागू होगी।)
2. वॉकेशनल शिक्षा का समावेश किया गया है।

## इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा में भी होंगे बदलाव :-

सालों से एक ही ढर्रे पर चल रही इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा में भी अहम बदलाव होंगे।

## 'चाइनीज' हटी

ऐच्छिक भाषाओं की सूची में फ्रांसीसी जर्मन, स्पेनिश और जापानी के साथ चाइनीज भाषा शामिल थी परन्तु चीन के साथ सीमा विवाद और तनाव के चलते चाइनीज भाषा को ड्राफ्ट से हटा दिया गया है। वैसे इसका कारण यह भी बताया जा रहा है कि मार्च 2020 के सत्र में किसी भी विद्यार्थी ने चीनी सीखने का आवेदन नहीं किया।

## प्रधानमंत्री ने गिनाई खूबियां

नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा अब मैथ्स के साथ-साथ म्यूजिक पढ़ सकेंगे। हमारे युवा टेलेण्ट के भण्डार है। अब मातृभाषा में शिक्षा दी जायेगी। 21वीं सदी नॉलेज का दौर है।

1. जीडीपी के टॉप-20 देश मातृभाषा में शिक्षा देते है।
2. युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और देश को शिक्षा का 'ग्लोबल हब' बनाने में मदद मिलेगी।
3. नौकरी खोजने वाले युवक की बजाय नौकरी देने वाला युवक बनाने में मदद करेगी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति।

## दिल्ली सरकार ने गिनाई कमियाँ

दिल्ली सरकार के शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने नई नीति पर प्रतिक्रिया में कहा कि 20-25 वर्षों के लिए पॉलिसी बन रही है। ऐसा मजाक मत कीजिए - क्वालिटी एजुकेशन हर बच्चे को देना सरकार की जिम्मेदारी है।

1. यह शिक्षा नीति पहले से माता-पिता के ऊपर पड़े फीस के दबाव को तोड़ पाने में सक्षम नहीं है।
2. प्राइवेट एजुकेशन को बढ़ावा देने वाली नजर आ रही है।
3. आईआईटी में भी एक्टिंग की क्लास होगी क्या ?
4. नर्सरी से 12वीं तक फ्री एजुकेशन होगी इस पर पॉलिसी मौन है।
5. नई पॉलिसी में अर्ली चाइल्ड हुड में दो मॉडल दिए गए हैं -

अ. आंगनवाड़ी ब. प्री प्राइमरी। ऐसे में समान एजुकेशन कैसे मिलेगी।

## नई शिक्षा नीति पर विभिन्न मत

"शिक्षा व्यवस्था में बदलाव केवल पाठ्यक्रम बदलने से नहीं आयेगा। इसके लिए केन्द्र के साथ राज्य सरकारों को भी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। शिक्षा को भी उसी तरह का बजट मिलना चाहिए जिस तरह से देश के सुरक्षा एवं अन्य प्रमुख मुद्दों/विषयों को महत्व मिलता है।

**- छात्र समुदाय**

"इस शिक्षा नीति में प्राइवेट स्कूलों को फायदा होगा। इस में आरक्षण का जिक्र तक नहीं है।

**- प्रो. अनिल सद्गोपाल**

"'नीतियां अक्सर कागज पर तो अच्छी होती हैं, पर लागू कैसे और कब होती हैं। यह सबसे बड़ा चैलेंज होता है। प्राथमिक शिक्षा को काफी अहमियत मिलेगी इस शिक्षा नीति से। अब 3 साल के प्री स्कूल के बाद बच्चा मानसिक रूप से सीखने के लिहाज से पहले के मुकाबले ज्यादा तैयार होगा।

**- डॉ. रुक्मणी बनर्जी, सीईओ, प्रथम फाउण्डेशन**

"यह शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं में जान फूंकने का काम करेगी। क्योंकि अंग्रेजी भाषा इन भाषाओं का दम निकाल रही थी। पिछले 7 दशकों में साक्षरता दर बढ़ी है उसे हमें 100% तक पहुंचाने में सफल हो सकेंगे।

**- राकेश सिन्हा, सांसद**

"केन्द्र सरकार अपनी जिम्मेदारी एनजीओ को सौंप रही है हम सब जानते हैं कि एनजीओ कौन क्या करता है। इससे आशंका है कि आने वाले समय में गरीबों के बच्चे हाशिए पर आ जाएंगे।

**- अशोक अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता**

## राजस्थान कांग्रेस की सियासी सर्जरी

# संकटमोचन कमेटी में माकन, अहमद, वेणुगोपाल शामिल

जयपुर। कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान में सत्तारूढ़ अपनी सरकार में पिछले एक माह तक चले अपने ही विधायकों की अन्दरूनी खींचतान को किसी तरह संभाल लया और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच दूरियां खत्म कर अब प्रदेश कांग्रेस की सियासी सर्जरी शुरू कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 16 अगस्त को राजस्थान की राजनीति से जुड़े दो बड़े फैसले लिए। राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे को प्रदेश प्रभारी महासचिव के पद से हटाकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन को प्रदेश प्रभारी महासचिव बनाया। वहीं सचिन पायलट गुट की ओर से उठाए गए मुद्दों को सुलझाने के लिए बनाई गई कमेटी के सदस्यों का भी ऐलान कर दिया। इसमें अहमद पटेल, संगठन महासचिव

अजय माकन

अहमद पटेल

केसी वेणुगोपाल

केसी वेणुगोपाल और अजय माकन को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि 14 अगस्त को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में विश्वास मत प्राप्त किया।

अजय माकन को प्रभारी बनाने के लिए सोनिया गांधी के निर्णय का स्वागत है। बतौर प्रभारी मार्गदर्शन को अविनाश पांडे का धन्यवाद।

- अशोक गहलोत, सीएम

कांग्रेस नेतृत्व का आभार। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कमेटी के मार्गदर्शन में प्रदेश में संगठन को एक नई दशा व दिशा मिलेगी तथा पार्टी अधिक मजबूत होगी।

- सचिन पायलट

# बादल छटेंगे, पांच साल चलेगी सरकार

जयपुर। नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने 29 जुलाई को पदभार ग्रहण समारोह में कहा कि पार्टी पर व्याप्त संकट के बादल शीघ्र छंटेंगे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सरकार अपना कार्यकाल भी पूरा करेगी। सरकार गिराने के भाजपा के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण कार्यकर्त्ता हैं और उन्हें कार्यकर्त्ताओं की भावनाओं का पता है। उनकी भावनाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। कार्यक्रम में पार्टी के करीब 100 विधायक व बड़ी संख्या में कार्यकर्त्ता-नेता उपस्थित थे। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा गया। डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 29वें अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। 15 साल के राजनैतिक सफर में वे संगठन के इस शीर्ष पद तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी और बढ़ गई है। कार्यकर्त्ताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा। कार्यकर्त्ताओं को सरकार में भागीदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डोटासरा को बधाई देते हुए कहा कि बाड़ाबंदी की वजह से जो भी नुकसान हुआ है उसकी वे ब्याज सहित भरपाई करेंगे। सरकार गिराने का भाजपा का मंसूबा कामयाब नहीं होगा और आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी देश भर में और अधिक मज़बूत होगी। समारोह को राजस्थान के प्रभारी महासचिव अविनाश पाण्डे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन व पर्यवेक्षक रणदीप सिंह सूरजेवाला, शांति धारीवाल, बी. डी. कल्ला आदि ने भी सम्बोधित किया। महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, कांग्रेस सहप्रभारी विवेक बंसल, देवेन्द्र यादव व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने डोटासरा को फोन पर शुभकामनाएं दी।

# HAPPY INDEPENDENCE DAY

MAHILA SAMRIDHI BANK

हमारा ध्येय – आपकी समृद्धि

✦

**Best North Based Bank Award-2019**

✦

**Best Mobile Banking App Award-2019**

✦

**Best Data Security Award-2019**

## उत्तर भारत का सर्वश्रेष्ठ महिला बैंक

**PROUDLY CO-OPERATIVE BANK**

### SAMRIDHI BANK APP

RuPay

BHIM UPI

RTGS/NEFT

IMPS
IMMEDIATE PAYMENT SERVICE

BHARAT BILLPAY
BHARAT BILL PAYMENT SYSTEM
ANYTIME ANYWHERE BILL PAYMENT

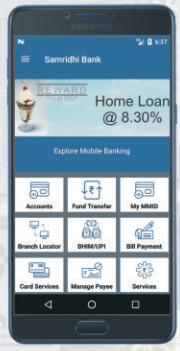


| Vidhyakiran Agrawal | Sunita Mandawat | Vinod Chaplot |
|---|---|---|
| Chairperson | Vice Chairperson | Chief Executive Officer |

## THE UDAIPUR MAHILA SAMRIDHI URBAN CO-OP BANK LTD.

H.O. : "Samridhi" 2/7, 1st Floor 100 Ft. Road, Sec-14, Goverdhan Vilas, Udaipur (Raj.) 313002
Tel . : +91 -294-2641003, 2640704, Fax : +91-294-2641003
web : www.samridhibank.com | email : ho@samridhibank.com

# अयोध्या में स्वर्णिम अध्याय

**1989** 9 नवम्बर को विहिप ने राजीव गांधी सरकार की अनुमति से राम मंदिर की नींव रखी

**1990** 25 सितम्बर को लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा शुरू की।

# 492 साल पुराना सपना साकार

✍ विष्णु शर्मा हितैषी

अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर-निर्माण का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सूत्र वाक्य दोहराया कि 'राम सबके हैं और सब राम के हैं।' इसके गहरे निहितार्थ हैं। यह एक समरस समाज का आधार वाक्य है। निर्माण की प्रस्तावना है। यह प्रस्तावना धर्म के दायरे से आगे जाकर राष्ट्र-निर्माण से जुड़ती है। जाहिर है, राष्ट्र निर्माण का कार्य कभी थमता नहीं, वह हर पल आकार लेता रहता है। अपने नागरिकों में, अपनी संस्थाओं के जरिए। इसलिए राम मंदिर निर्माण का शुभारंभ याद दिला रहा है कि हमें अपनी राष्ट्रीय संस्थाओं की मर्यादाओं को कभी कम न होने देना है और उनमें अटूट विश्वास बनाए रखना है।

देश को सदियों से जिस दिन का इंतजार था वो 5 अगस्त को पूरा हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तय मुहूर्त 11 बजकर 44 मिनट आठ सेकंड पर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने जन्मभूमि की मिटटी को माथे से लगाया।

भूमि पूजन से पहले प्रधानमंत्री ने अयोध्या के हनुमानगढ़ी में बजरंगबली की आरती की व रामलला को अस्थाई मंदिर में साष्टांग दण्डवत प्रणाम किया। 492 साल पुराना सपना सच होते देख अयोध्यावासियों की आंखों में चमक थी। घर-घर बधाई गीत गाए गए। भूमि पूजन के बाद संतों और रामभक्तों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की शुरुआत राष्ट्र को जोड़ने का उत्सव है। यह लोक से आस्था और स्व को संस्कार से जोड़ने का ऐतिहासिक पल भी है। प्रधानमंत्री ने सियावर रामचन्द्र की जय का उद्घोष करते हुए संबोधन की शुरुआत की।

मोदी ने 'भय बिनु होई न प्रीति' का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा देश जितना ताकतवर होगा उतनी ही शांति बनी रहेगी। राम की यह नीति सदियों से भारत का मार्गदर्शन करती रही है। महात्मा गांधी ने भी इसी आलोक में रामराज्य का सपना देखा। 'राम काज कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम' का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भगवान सूर्य के सान्निध्य में भारत सरयू नदी के किनारे स्वर्णिम अध्याय रच रहा है। पूरा देश रोमांचित है। हर मन दीपमय और भावुक है। सदियों का इंतजार समाप्त हो रहा है।

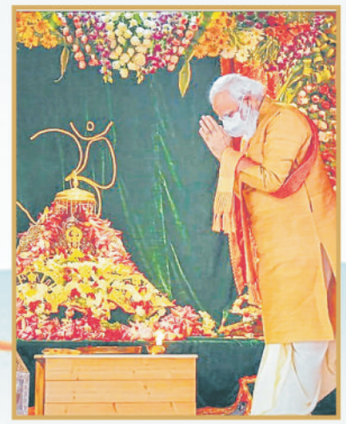

### कलश लाए मोदी

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के भूमि पूजन के दौरान गर्भगृह के नींव की उत्खनित वेदी में पंचधातु निर्मित कलश समर्पित किया। इसे वह अपने साथ दिल्ली से लाए थे।

### पारिजात का पौधरोपण

मोदी ने रामलला के नए परिसर में स्मृति के रुप में 'पारिजात' का पौधा लगाया। यह दुर्लभ वनस्पति है। ग्रंथों के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण सत्यभामा के कहने पर इंद्रलोक से इसे लाए।

### संकल्प का क्षण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यह आनंद का क्षण है। जो संकल्प लिया गया था, वह आज पूरा हुआ। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस विश्वास की जरूरत थी, उसका भी आरंभ हो रहा है। अब सबके राम और सबमें राम हैं। राम मंदिर के निर्माण के लिए अनेक लोगों ने बलिदान दिया है और वे सूक्ष्म रूप में यहां उपस्थित हैं। अगर आज अशोक सिंघल, महंत परमहंस रामदास जी यहां होते तो कितना अच्छा होता।

### नींव में नौ ईंट

यहां नौ ईंट रखी गई हैं। इन्हें 1989 में भक्तों ने भेजा था। ऐसी ईंट 2.75 लाख हैं, जिनमें से 100 पर जय श्रीराम उत्कीर्णन लिया गया है। उन शिलाओं की पूजा हुई जो मंदिर की नींव में रखी जाएंगी।

भूमिपूजन पर जगमग अयोध्या का सरयू तट।





# अयोध्या में रामलला मंदिर का निर्माण शुरू

5 मंडप होंगे और 161 फुट ऊंचा शिखर | 98 फुट तीन इंच मंदिर का शिखर, 2012 स्तंभ | 235 फुट परिक्रमा पथ, 57000 वर्ग फुट क्षेत्रफल | 6 शिखर होंगे कुल, एक मुख्य और 5 उपशिखर

### करोड़ों की इच्छा पूर्ण

श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास महाराज ने कहा कि करोड़ों-करोड़ों की इच्छा पूर्ति का आज मंगल अवसर है, जब रामलला के विराट मंदिर का शुभारंभ हो रहा है।

### रामराज्य चरितार्थ करने का प्रयास

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर निर्माण का शुभारंभ होना हर भारतवासी के लिए गौरव की बात है। इस घड़ी की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां चली गई और महापुरुषों ने इसके लिए अपना बलिदान दिया। यह सिर्फ मंदिर निर्माण का शुभारंभ नहीं बल्कि रामराज्य को चरितार्थ करने का प्रयास है।**

### कांची पीठ से ताम्रपत्र

भूमि पूजन में ताम्रपत्र भी रखा गया है। इसे कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती ने भेजा था। इसमें जिस मुहूर्त में भूमिपूजन हो रहा है। उसका वर्णन किया गया है। राम की स्तुति भी उल्लेखित है। इसमें जिस शुभ मुहूर्त में भूमिपूजन हुआ, उसका वर्णन और श्रीराम की स्तुति हैं।

सुप्रीम कोर्ट में रामलला का केस लड़ने वाले वरिष्ठ वकील के. परासरण (92) ने घर से ही टीवी पर भूमि पूजन देखा।

### यजमान बना सिंघल परिवार

अशोक सिंघल

भूमि पूजन समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व बतौर यजमान उदयपुर निवासी प्रमुख उद्यमी व समाजसेवी सलिल सिंघल व उनकी पत्नी मधु सिंघल भी थी। सलिल सिंघल विश्व हिन्दू परिषद् के दिवंगत कार्यकारी अध्यक्ष श्री अशोक सिंघल के बड़े भाई स्व. प्रमोद प्रकाश सिंघल के पुत्र हैं। अशोक सिंघल उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण आन्दोलन को धार दी। वे 1980 में विहिप में शामिल हुए थे और 1984 में इसके कार्यकारी अध्यक्ष बने। वे 2011 तक इस पद पर रहे और 2015 में उनका निधन हो गया।

उपस्थित संत समुदाय

### चांदी के फावड़े-कन्नी

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की नींव चांदी के फावड़े और कन्नी से रखी गई। फावड़े और कन्नी का भूमि पूजन के दौरान प्रयोग किया गया। अयोध्या में रामलला के मंदिर के लिए मेवाड़ से भी योगदान दिया गया है। उदयपुर के कलाकारों ने चांदी के दो दीप, जिसमें अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाती है, रामलला मंदिर के लिए भेजे।

# Advaiya

## BUSINESS APPLICATIONS AND ANALYTICS SOLUTIONS

Executing purposeful digital initiatives is the key to digital transformation. Powered by a tailored set of relevant technologies and tools, our solutions allow business to enhance their decision-making skills, deliver superior customer experience, increase business productivity, and initiate technology-led innovation

## Advaiya Solutions, Inc.

14575 NE Bel Red Rd,
Ste 201, Bellevue WA 98007, USA
Phone : +1-425-256-3123

## Advaiya Solutions Pvt. Ltd.

G14-17, IT Park,
MIA Extension Udaipur, India 313002
Udaipur : 313001 India
Phone : +91 294 305 1100

# अधिक मास जप-तप और दान से पुण्यार्जन

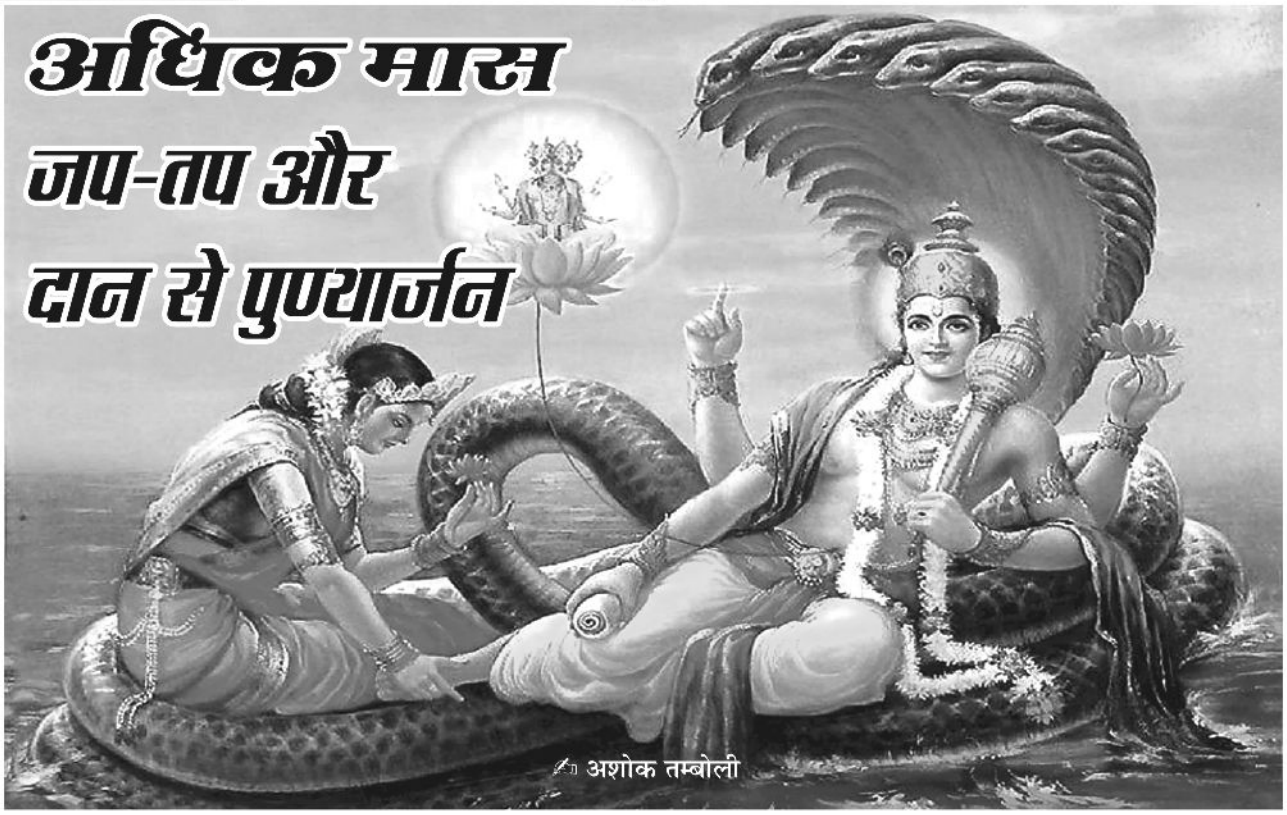

अशोक तम्बोली

इस वर्ष होली (मार्च) के बाद को अगस्त में गणेश चतुर्थी तक के सारे त्योहार 'कोरोना' की भेंट चढ़ गए। सितम्बर पितृ पक्ष को समर्पित है। लोगों ने अपनी परम्परागत आस्था के चलते सीमित रूप से ही सही, लेकिन इन्हें मनाया ज़रूर। मंदिरों में पुजारियों ने अनुष्ठानपूर्वक कार्य सम्पन्न किए तो जन सामान्य ने घरों में ही उन्हें अपने स्तर पर मनाया। श्रद्धा और आस्था में कोई कमी नहीं थी, लेकिन सामूहिक रूप से इन त्योहारों को मनाने का आनंद नहीं मिल सका। शायद अधिमास श्रद्धालुओं की इस इच्छा को पूर्ण कर दे। क्योंकि अधिमास की वजह से सितम्बर के बाद आने वाले सारे त्योहार पिछले साल की तुलना में 10-15 दिन की देरी से मनाए जाएंगे।

त्योहारों की गणना चंद्रमास और तिथियों पर आधारित होती है। ऋतुओं की गणना सायन सूर्य की संक्रांतियों से की जाती है। चांद्रमासों का ऋतुओं के साथ समन्वय बिठाने के लिए इन मासों में एक माह जोड़ देते हैं। विक्रम संवत् 2077 में दो आश्विन मास की वजह से अधिमास का संयोग बना है। इसलिए नवरात्र, दशहरा-दीपावली जैसे वर्ष के बड़े त्योहार पिछले साल की तुलना में इस बार देरी से आएंगे। नवरात्रि व दीपावली त्योहार सन् 2019 में क्रमश: 8 व 27 अक्टूबर को थे, जबकि 2020 में ये क्रमश: 25 अक्टूबर व 14 नवम्बर को आएंगे। इन दिनों उम्मीद है कि कोरोना का असर कम पड़ जाए।

इस वर्ष अधिक मास 18 सितम्बर से प्रारंभ होकर 16 अक्टूबर तक चलेगा। इसके ही कारण व्रत-त्योहार में 15-20 दिन का अंतर आ रहा है। दो आश्विन मास वाले अधिक मास का यह संयोग करीब 19 वर्ष बाद बन रहा है। इससे पहले यह योग 2001 आश्विन मास में उपस्थित हुआ था। आगे फिर 19 वर्ष बाद 2039 में आश्विन अधिकमास के रूप में आएगा, किन्तु लीप ईयर व अधिकमास 160 वर्षों के बाद एक साथ आये हैं। इसके पूर्व यह संयोग सन 1860 में बना था।

## हर तीन वर्ष में अधिक मास

अधिकमास एक वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत है, यदि अधिक मास नहीं हो तो तीज त्योहारों का गणित ही गड़बड़ा जाए। अधिक मास की व्यवस्था के चलते सभी तीज-त्योहार सही समय पर होते हैं। हर तीन वर्ष में अधिक मास चांद्र व सौर वर्ष में सामंजस्य स्थापित करने हेतु हर तीसरे वर्ष पंचांगों में एक चांद्र मास की वृद्धि कर दी जाती है। इसी को अधिक, मल व पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। सौर वर्ष का मान 365 दिनों से कुछ अधिक व चांद्र मास 354 दिनों का होता है। दोनों में करीब 11 दिनों के अंतर को समाप्त करने के लिए 32 माह में अधिक मास की योजना की गई है, जो पूर्णत: विज्ञान सम्मत भी है।

### मान्यता : इसलिए है पुरुषोत्तम मास

इस अधिकमास का कोई स्वामी न होने से देवताओं ने इसे अशुद्ध माना और इसमें कोई भी मांगलिक कार्य कैसे करें, इस संशय में पड़ गए। तब वे भगवान विष्णु के पास गए तो उन्होंने कहा कि आज से मैं इस अधिमास को अपना नाम देता हूं। जब से पुरुषोत्तमत मास के दौरान जप, तप, दान से पुण्य प्राप्ति होते हैं। श्रीमद्भगवतगीता, श्रीराम कथा वाचन व विष्णु की उपासना की जाती है। कथा पढ़ने-सुनने से भी लाभ होता है। इस मास में जमीन पर शयन, एक ही समय भोजन करने से अनंत फल प्राप्त होते हैं।

# शिक्षक, शिक्षा और समाज

✍ चन्द्रकांता शर्मा

शिक्षक का दर्जा समाज में बड़ा ही सम्माननीय तथा उच्च माना गया है। वह नैतिकता व आदर्शों का प्रेरणास्रोत तथा जीवन-मूल्यों के सतत नियामक रूप में भी जाना गया है। शिक्षक के रूप में एक विनयशील, अनुशासनबद्ध और आदर्श जीवन पर चलने वाले व्यक्ति को मान्य किया गया है तथा माना गया है कि उस पर समाज, राष्ट्र तथा मानव जीवन की सभी नैतिक जिम्मेदारियां हैं। समय के साथ 'गुरु' के आदर्श रूप की व्यवस्था मिटने लगी है तथा जीवन के दूसरे क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की तरह ही शिक्षक भी बनता चला गया। बनता क्यों नहीं, वह भी हाड़-मांस का पुतला है, उसकी भी जिम्मेदारियां तथा महत्त्वकांक्षाएं हैं। गिरते जीवन-मूल्यों की इस आंधी ने शिक्षक के आदर्श स्वरूप को झिंझोड़ कर रख दिया और आज तो हालत यह है कि शिक्षक जगत में भी भ्रष्टता ने घर बना लिया है।

**शिक्षक दिवस विशेष**

शिक्षक बनते ही व्यक्ति पर नैतिकता का एक मुलम्मा अपने आप चढ़ जाता है। उसके द्वारा किया जाने वाला हर कार्य आदर्शों की कसौटी पर तोला जाता है और वह हमेशा एक मानसिक दबाव का जीवन जीता है। ईमानदारी और सच्चाई की प्रतिमूर्ति बनकर भी उसे जीना पड़ता है, पर समाज का उसके प्रति जो नजरिया है उसमें रात-दिन का बदलाव आ गया है। मान-सम्मान तथा सेवा-भाव का जो दृष्टिकोण पहले शिक्षकों के प्रति हमारा रहा है, वह सर्वथा नए आयामों में बदल गया है।

भौतिक सुख-सुविधाएं समाज के दूसरे क्षेत्रों के लोग तो ले लें, पर शिक्षक अपनी वही फटीचरी जिंदगी जीता रहे, यह दोयम दर्जे की मानसिकता हमारे लिए घातक रही। जहां तक छात्रों के रवैये का सवाल है, वह बिल्कुल बदल गया है। स्कूल शिक्षक हो या कॉलेज शिक्षक, हर जगह शिक्षक को ही नीचा देखना पड़ रहा है। छात्रों में बढ़ती अनुशासनहीनता, उच्छृंखलता और आए दिन होने वाली हड़तालें, उनके प्रति बढ़ते असंतोष की प्रतीक हैं। श्रद्धाभाव तो तनिक नहीं रहा, बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिल सकता, यह बात असत्य मानी जाने लगी है। जहां तक शिक्षकों में ट्यूशन पढ़ाने के बढ़ते चलन का प्रश्न है, वह प्रासंगिक बन गया है। उसकी भी जरूरतें हैं, दायित्व हैं, बच्चे हैं, उनका लालन-पालन, ब्याह-शादी, जो भी मनुष्य रूप में उसे मिले हैं, उन्हें उसे निभाना ही है। जटिल होते जीवन संघर्ष में यदि वह इस श्रमसाध्य सहारे का आसरा नहीं लेगा तो वह कई मोर्चों पर हार जाएगा।

दूसरे क्षेत्रों में जहां भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, कमीशनखोरी तथा लूट-खसोट मची है, वहां शिक्षकों को इस तरह के अवसर बहुत कम हैं। गांव की प्राथमिक शाला में बिना किसी स्कूल बजट के पढ़ा रहे शिक्षक से किस घोटाले की आशंका की जा सकती है? अधिक से अधिक शिक्षक पर यह आरोप आ जाता है कि उसने रुपए लेकर छात्र के अंक बढ़ा दिए या उसे उत्तीर्ण कर दिया, पर यह इतना न्यून है कि वह यहां भी अपने नैतिक व आदर्श स्वरूप को बचाए हुए है। इस दृष्टि से वह जो श्रम करके पैसा कमाता है, उसे किसी भी तरह गलत नहीं कहा जा सकता। समाज में अच्छी बातें कहने व उपदेश देने वाले तो बहुत हैं, पर उन पर अमल करने वाले गिने-चुने हैं। शिक्षक समुदाय में अभी गैरत बची है। अब यह बात दीगर है कि स्कूलों में सरकार की ओर से साधन ही सुलभ न

हों तो उसके लिए शिक्षक क्या करें ?

जहां तक शिक्षकों द्वारा छात्रों को शिक्षा देने का सवाल है, उसका संबंध हमारे बदलते जीवन मूल्यों से सीधा जुड़ा हुआ है। नए जीवन मूल्यों का असर यह है कि अधिकतर छात्र न तो पढ़ना चाहते हैं और न अभिभावक उन्हें दिशा ज्ञान देना चाहते हैं। सबका जोर सब किसी तरह कोई नौकरी पा लेने पर है, वह चाहे तिकड़म से ही क्यों न मिले। फिर भी यह बहस जब-तब चलती रहती है कि दिशा ज्ञान देने का दायित्व माता-पिता पर है या शिक्षक पर ? सच तो यह है कि यह विवाद ही निरर्थक है, दिशा-ज्ञान देने का दायित्व दोनों पर है। न तो गुरु इससे बच सकता और न ही अभिभावक।

आज अभिभावकों के पास समय नहीं है। वे जीविकोपार्जन के अलावा अन्य बातों में इतने उलझ गए हैं कि घर में भौतिकता की आंधी तो ला रहे हैं लेकिन ज्ञान का उजाला कम कर रहे हैं। वे दिन के चौबीस घंटों में से दस मिनट बालक के लिए नहीं निकाल पा रहे। माता-पिता को बच्चे की पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान देना होगा, इस पर गौर करते रहना होगा कि वह पाठ्यक्रम से इतर और क्या-क्या सीख रहा है, उसमें कैसी आदतें विकसित हो रही हैं, उसमें कैसी रुचियां पनप रही हैं, उसकी दिलचस्पी किन विषयों में ज्यादा है। अगर कोई भटकाव दिखे तो शिक्षक को जानकारी देनी होगी तथा अपने स्तर पर भी उसे दूर करने का प्रयत्न करना होगा। अन्यथा ज्ञान का पाठ पूरा नहीं होगा तथा संस्कारहीनता के कारण उसका सही मार्ग से विचलित हो जाना स्वाभाविक होगा। शिक्षक भी इस मामले में अपनी नैतिक जिम्मेदारी से बचे नहीं होते। उनका जीवन छात्र के लिए दर्पण की तरह होता है जिसमें वह अपना अक्स देखता है। यदि वे ही आदर्श जीवन से हटने लगेंगे तो आगे आने वाली नई पीढ़ी का नागरिक नाकारा तथा संस्कारहीन ही होगा। परिवार बालक की प्रारंभिक व प्राथमिक शाला हो सकता है, पर स्कूली जीवन से जो तमीज, तहजीब और तालीम की दीक्षा उसे दी जाती है, उसका दायित्व उन्हीं का है। उससे बचने का प्रयास उन्हें नहीं करना चाहिए। वे ही यदि छात्रों के साथ खान-पान, रहन-सहन, बोल-चाल तथा उठने-बैठने में व्यवहार की कसौटी नहीं रखेंगे तो वे किस आदर्श की बात करेंगे ?

स्वार्थ साधने के चक्कर में कई बार देश, समाज और कानून की परवाह नहीं की जाती। सबसे बड़े रोल मॉडल वे लोग माने जाने लगे हैं जिन्होंने खूब पैसा बनाया है। जिन्होंने किन्हीं मूल्यों के लिए संघर्ष किया है, पर आर्थिक सफलता हासिल नहीं की है, उन्हें पूछा नहीं जाता। ऐसे में देश और समाज के लिए मरने-खपने की प्रेरणा कहां से मिलेगी?

नि:संदेह आज के हालात में शिक्षकों के सिर पर दोहरी जिम्मेदारियां हैं। एक तो स्वयं के स्वरूप को इस भौतिकता की अंधी दौड़ से बचाना, साथ ही छात्र को नई रोशनी में संस्कारशील होने की राह पर ले जाना है।

आज देश में भाषा, क्षेत्र तथा जाति के नाम पर टकराव की प्रवृत्तियां पनप रही हैं। साम्प्रदायिक शक्तियां सिर उठा रही हैं, देश के विकास में रोड़े डाल रही हैं। राजनीति और राजनेताओं के जीवन मूल्य विलोपित हो रहे हैं, ऐसे में यदि शिक्षक भावी नागरिकों को दिशा ज्ञान तथा सामान्य कर्तव्य-बोध के साथ राष्ट्रीयता का पाठ नहीं पढ़ा सके तो भारत का भविष्य निश्चित ही अंधकारमय है। स्वार्थ लोलुपता तथा निजी, क्षुद्र महत्त्वाकांक्षाओं की लड़ाई में व्यक्ति महत्त्वपूर्ण होता गया है। निजी स्वार्थ साधने के चक्कर में कई बार देश, समाज और कानून की परवाह नहीं की जाती। सबसे बड़े रोल मॉडल वे लोग माने जाने लगे हैं जिन्होंने खूब पैसा बनाया है। जिन्होंने जीवन में कुछ त्याग किया है और किन्हीं मूल्यों के लिए संघर्ष किया है, पर आर्थिक सफलता हासिल नहीं की है, उन्हें कहीं पूछा नहीं जाता। ऐसे में देश और समाज के लिए मरने-खपने की प्रेरणा कहां से मिलेगी।

आवश्यकता इस बात की है कि चाहे अतिरिक्त परिश्रम करके ही छात्र को दीक्षित करना पड़े, शिक्षकों को इस ओर सजग रह कर समाज और राष्ट्र के लिए इस महायज्ञ में अपनी आहुति देनी ही होगी। उसके लिए जहां तक आर्थिक दबावों की बात है, वह उसके अभिभावकों से निरंतर संपर्क के जरिए नि:संकोच प्रकट कर देनी चाहिए, क्योंकि यह तो जीवन की आवश्यकता है। घोड़ा घास से यारी करे तो खाए क्या ? चाहे गुरुकुल के गुरु जैसा स्वरूप वे न पाएं, पर युगानुकूल परिवर्तन के माध्यम से शिक्षक, छात्र को दायित्वशील नागरिक बनाने का दायित्व तो ले ही सकता है। बरसों से चली आ रही शिक्षा प्रणाली न तो व्यक्ति को रोजगार सुलभ करा रही है और न ही संस्कारवान नागरिक बनाने में मदद कर रही है। ऐसी स्थिति में सहज ही यह सवाल उठता है कि इस शिक्षा प्रणाली की सार्थकता और प्रासंगिकता क्या है।

शिक्षक वेतन पाते हैं तो उसका मेहनताना वे शिक्षार्थी को ज्ञान की राह बता कर चुका सकते हैं। यहां शिक्षकों के लिए आचरण संहिता में बांधने जैसी कोई बात नहीं है, पर जिस तरह का यह पेशा है, उसमें नैतिकता को नकारा नहीं जा सकता। छात्रों के व्यक्तित्व-निर्माण की जिम्मेदारियों से शिक्षक बच नहीं सकता। बिगड़े हुए इस माहौल में कोई रास्ता निकालना ही होगा, जिससे देश के भविष्य पर मंडरा रहे संकट को दूर किया जा सके। आज छात्रों में माता-पिता, गुरु, राष्ट्र किसी के प्रति श्रद्धा का अभाव है। शायद इसका कारण यही है कि उनमें जो प्रारंभिक संस्कारों तथा मानव मूल्यों का बीजारोपण होना चाहिए था, वह नहीं हुआ तथा वे ऐसी छाया तले पलते रहे। जिसमें अनुशासनहीनता व उच्छृंखलता की खाद मिली हुई थी। टीवी तथा फिल्मों के साथ आई नई मनोरंजन संस्कृति ने भी व्यक्ति को आदर्श से भटकाया है तथा गलत-सही की परख का बोध कुंद किया है। संवेदनशीलता का चतुर्दिक क्षरण हुआ है। हर तरफ बढ़ रही हिंसा और नैतिक गिरावट के मूल में यही बात है। इसलिए इस क्षरण को रोकना और समाज को नैतिक पतन से बचाना है, तो सबसे पहले शिक्षा पर ध्यान देना होगा। यह सिर्फ शैक्षिक बजट का मामला नहीं है। असल सवाल यह है कि शिक्षा हासिल करने के बाद इंसान में क्या फर्क होता है। क्या यह बेहतर इंसान और देश व समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनकर निकलता है ?

# रिटायर बट नॉट आउट

✍ जगदीश सालवी

एक छोटे से शहर की अंधेरी गलियों में क्रिकेट की बारीकियों को सीख-समझकर क्रिकेट की चकाचौंध में अपने लिए एक खास मुकाम बना लेने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर महेन्द्र सिंह धोनी ने 15 अगस्त को जब देश आज़ादी की 74वीं सालगिरह पर जश्न मना रहा था, तभी सोशल मीडिया पर अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के अपने निर्णय से चौंका दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा – 'शाम 7 बजकर 29 मिनट से मुझे रिटायर समझिए।'

खिलाड़ियों के दिमाग को पढ़कर उसे खेल में इस्तेमाल करने की अनोखी ताकत रखने वाले महेन्द्र सिंह धोनी का जन्म 7 जुलाई, 1981 को तत्कालीन बिहार( अब झारखण्ड) के रांची में हुआ था। धोनी झारखंड से निकलकर टीम इंडिया में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे धोनी को बचपन से क्रिकेट की बजाए फुटबॉल पसन्द था। उन्हें गोलकीपर के तौर पर खेलते देख उनके तत्कालीन कोच ने उन्हें क्रिकेट में एक विकेटकीपर के तौर पर खेलने की सलाह दी। यहीं से माही का खेल भी बदला और भाग्य भी।

बिहार के लिए रणजी खेलने के बाद उन्हें रेलवे की तरफ से भी खेलने का मौका मिला। रेलवे ने उनके खेल को देखते हुए नौकरी ऑफर की। धोनी ने परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वाह करने के लिए बंगाल के खड़गपुर रेलवे स्टेशन पर टिकट कलेक्टर की नौकरी स्वीकार कर ली। लेकिन धोनी की किस्मत में 'क्रिकेट का बादशाह' बनना लिखा था, अंततः एक दिन वह नौकरी छोड़कर वापस खेल के मैदान पर लौट आए।धोनी का यह फैसला उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

इसके बाद धोनी को जिम्बाब्वे और केन्या के दौरे पर इंडिया ए टीम में पहली बार जगह मिली। धोनी ने इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया और सात मैचों में 362 रन बनाए। धोनी ने इस दौरान विकेटकीपिंग में भी हाथ अजमाते हुए सात कैच लपके और चार स्टंपिंग की। धोनी के इस प्रदर्शन ने तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली को काफी प्रभावित किया और इस तह वर्ष 2004 में धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल गया।

## अंतरराष्ट्रीय कॅरियर

| प्रारूप | मैच | रन | सर्वाधिक | 100 | 50 | औसत | विकेट | कैच | स्टंपिंग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| टेस्ट | 90 | 4,876 | 224 | 06 | 33 | 38.09 | 00 | 256 | 38 |
| वनडे | 350 | 10,773 | 183 | 10 | 73 | 50. 57 | 01 | 321 | 123 |
| टी-20 | 98 | 1,617 | 56 | 00 | 02 | 37.60 | 00 | 57 | 34 |

## विकेटों के पीछे

| प्रारूप | कैच | स्टंपिंग |
|---|---|---|
| वनडे | 256 | 38 |
| टेस्ट | 321 | 123 |
| टी-20 | 57 | 34 |

## ऐसी रही कप्तानी

| प्रारूप | मैच | जीते | हारे | टाई | ड्रॉ |
|---|---|---|---|---|---|
| टेस्ट | 60 | 27 | 18 | 00 | 15 |
| वनडे | 200 | 110 | 74 | 05 | 11 |
| टी-20 | 72 | 41 | 28 | 01 | 02 |

बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले धोनी शुरुआती मैचों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके लेकिन टीम प्रबंधन ने उन पर भरोसा दिखाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ अगली सीरीज में फिर मौका दिया। उन्होंने विशाखापत्तनम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए अपने कॅरियर के 5वें मैच में 123 गेंदों पर 148 रन की विस्फोटक पारी खेली और इस पारी ने धोनी के कॅरियर को एक झटके में आसमान पर पहुंचा दिया।

## रैना ने भी निभाई मैत्री

महेन्द्र सिंह धोनी के अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा के ठीक एक घण्टे बाद उनके जो ड़ीदार-मित्र सुरेश रैना ने भी अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहते हुए सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि 'भला मैं कैसे धोनी की यात्रा में शामिल होने से वंचित रह सकता हूं।' उन्होंने लिखा, माही आपके साथ खेलना अच्छा था। पूरे दिल और गर्व के साथ, मैं आपकी इस यात्रा में शामिल होना चाहता हूं। उल्लेखनीय है कि सुरेश रैना भारतीय क्रिकेट टीम में मध्यक्रम की बल्लेबाजी में भूमिका निभाते रहे थे। मैदान में जब वे उतरते थे तो जय-वीरू की (शोले के अमिताभ-धर्मेन्द्र) जोड़ी के रूप में दर्शक उनका अभिनंदन करते थे। वनडे में मैदान पर धोनी-रैना ने 73 पारियों में साझेदारी की और 3,585 रन बनाए।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

दी बांसवाड़ा सेन्ट्रल
को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालय, कॉलेज रोड,
बांसवाड़ा - 327001

दूरभाषः 02962-242973, 243784 फैक्सः 02962-241375
वेबसाइटः- www.banswaraccb.com ई-मेलः- ccb_banswara@ymail.com

# पितरों को नमन

सर्वपितृ अमावस्या पर हम अपने उन सभी प्रियजनों का श्राद्ध कर सकते हैं, जिनकी मृत्यु की तिथि का ज्ञान हमें नहीं है। बता रहे हैं ***पं. भानुप्रतापनारायण मिश्र।***

सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है। 15 दिन पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं। सर्वपितृ अमावस्या के दिन सभी भूले-बिसरे पितरों का श्राद्ध कर उनसे आशीर्वाद की कामना की जाती है। सर्वपितृ अमावस्या के साथ ही 15 दिन का श्राद्ध पक्ष खत्म हो जाता है। आश्विन कृष्ण पक्ष की समाप्ति के बाद अगले दिन से नवरात्र प्रारंभ होते हैं। सर्वपितृ अमावस्या पर हम अपने उन सभी प्रियजनों का श्राद्ध कर सकते हैं, जिनकी मृत्यु की तिथि का ज्ञान हमें नहीं है।

भारतीय पंचांग के अनुसार तिथि महत्त्वपूर्ण होती है। यही वजह है कि श्राद्ध दिनांक के बजाय तिथि पर किया जाता है। जैसे किसी व्यक्ति की मृत्यु जिस दिनांक को हुई है उस दिन क्या तिथि थी, यह ध्यान रखा जाता है। 15 दिन में यह सभी तिथियां आती हैं, तब पंचमी, षष्ठी, सप्तमी आदि जो भी तिथि प्रियजन की होती है उस दिन, उस व्यक्ति का श्राद्ध कर्म किया जाता है। किसी कारणवश अगर प्रियजन का श्राद्ध उस तिथि पर नहीं कर सके, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन उनका श्राद्ध कार्य किया जा सकता है।

17 सितम्बर को सर्वपितृ अमावस्या है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार कन्या राशि में विराजमान सूर्य, शुक्र, बुध, शनि और चंद्रमा के साथ मौजूद है। इन ग्रहों के एक साथ बैठने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अमावस्या को हमारे देवता और पितृ एक साथ बैठते हैं और पृथ्वी पर किए गए श्राद्ध में जो कुछ भी दान-पुण्य होता है, उसे तुरन्त स्वीकार करते हैं। वैसे भी हर महीने आने वाली अमावस्या हमारे ऋषियों ने पितृ के लिए दान-पुण्य करने के लिए ही तय कर रखी है।

गरुड़ पुराण के अनुसार कृतिका नक्षत्र में किया गया श्राद्ध समस्त कामनाओं को पूर्ण करता है। रोहिणी में श्राद्ध होने पर संतानसुख, मृगशिरा में गुणों में वृद्धि, आर्द्रा में ऐश्वर्य, पुनर्वसु में सुंदरता, पुष्य में अतुलनीय वैभव, अश्लेषा में दीर्घायु, मघा में अच्छी सेहत, पूर्वाफाल्गुनी में अच्छा सौभाग्य, हस्त में विद्या की प्राप्ति, चित्रा में प्रसिद्ध संतान, स्वाति में व्यापार में लाभ, विशाखा में वंश वृद्धि, अनुराधा में उच्च पद प्रतिष्ठा, ज्येष्ठा में उच्च अधिकार भरा दायित्व व मूल में मनुष्य आरोग्य प्राप्त करता है।

## किस प्रकार के ब्राह्मण श्राद्ध स्वीकार करने के योग्य हैं -

वेदों के ज्ञाता, श्रोत्रिय, मंत्र आदि का विशिष्ट ज्ञान रखने वाले ब्राह्मण श्राद्ध ग्रहण करने के योग्य माने जाते हैं। इन्हें ही भोजन कराने या दान देने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। भान्जे को भी भोजन कराया या दान दिया जा सकता है। मान्यता है कि एक भान्जा सौ ब्राह्मणों के बराबर होता है। मांसाहारी, शराबी, चरित्रहीन, कुत्सित कर्म में जुटे तथा अवैष्णव को श्राद्ध में बुलाना अनुचित है।

पितृ इनको श्राद्ध फल ग्रहण करते देख कष्ट पाते हैं।

पितृकार्य में तिलों का प्रयोग ही उचित माना गया है। श्राद्ध कार्य में निमंत्रित ब्राह्मणों को मौन होकर भोजन करना चाहिए। भोजन लोहे के बर्तनों में नहीं खिलाना चाहिए। श्राद्ध करने वाले को सफेद वस्त्र ही पहनना चाहिए। साथ ही बैंगन की सब्जी भोजन में नहीं होनी चाहिए। सर्वपितृ श्राद्ध अपराह्न में ही किया जाता है। साथ ही श्राद्ध करने वाले परिवार को प्रसन्नता एवं विनम्रता के साथ भोजन परोसना चाहिए। संभव हो तो जब तक ब्राह्मण भोजन ग्रहण करें, तब तक पुरुष सूक्त तथा पवमान सूक्त आदि का जप होते रहना चाहिए। भोजन कर चुके ब्राह्मणों के उठने के पश्चात् श्राद्ध करने वाले को अपने पितृ से इस प्रकार प्रार्थना करनी चाहिए –

दातारो नो अभिवर्धन्तां संततिरेव च।।
श्रद्धा च नो मा व्यगमद् बहु देयं च नो अस्तिवति।

अर्थात् पितृगण। हमारे परिवार में दाताओं, वेदों और संतानों की वृद्धि हो, हमारी आप में कभी भी श्रद्धा न घटे, दान देने के लिए हमारे पास बहुत संपत्ति हो।

इसी के साथ उपस्थित ब्राह्मणों की प्रदक्षिणा के साथ उन्हें दक्षिणा आदि प्रदान कर विदा करें। श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को बचे हुए अन्न को ही भोजन के रूप में ग्रहण कर उस रात्रि ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए। श्राद्ध प्राप्त होने पर पितृ श्राद्ध कार्य करने वाले परिवार में धन, संतान, भूमि, शिक्षा, आरोग्य आदि में वृद्धि प्रदान करते हैं।

मनुस्मृति, याज्ञवलक्य स्मृति जैसे धर्म ग्रंथों में ही नहीं, वरन् पुराणों आदि में भी श्राद्ध को महत्त्वपूर्ण कर्म बताते हुए उसे करने के लिए प्रेरित किया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार कृतिका नक्षत्र में किया गया श्राद्ध समस्त कामनाओं को पूर्ण करता है। रोहिणी में श्राद्ध होने पर संतानसुख, मृगशिरा में गुणों में वृद्धि, आर्द्रा में ऐश्वर्य, पुनर्वसु में सुंदरता, पुष्य में अतुलनीय वैभव, अश्लेषा में दीर्घायु, मघा में अच्छी सेहत, पूर्वाफाल्गुनी में अच्छा सौभाग्य, हस्त में विद्या की प्राप्ति, चित्रा में प्रसिद्ध संतान, स्वाति में व्यापार में लाभ, विशाखा में वंश वृद्धि, अनुराधा में उच्च पद प्रतिष्ठा, ज्येष्ठा में उच्च अधिकार भरा दायित्व व मूल में मनुष्य आरोग्य प्राप्त करता है।

## श्राद्ध कर्म आखिर पुत्र द्वारा ही क्यों?

मनुस्मृति में कहा गया है – पुं नामक नरम से त्र(त्राप) करने वाला ही पुत्र कहा जाता है। मनुष्य इसी कारण नरक से मुक्ति दिलाने वाले पुत्र की कामना करता है और पिंडदान, श्राद्ध करने का अधिकार पुत्र को ही दिया जाता है।

यही बात वशिष्ठ स्मृति में भी है – पुत्र होने पर पिता लोकों को जीत लेता है, पौत्र होने पर आनंत्य को को प्राप्त करता है और प्रपौत्र होने पर सूर्य लोक में निवास करने का उसे स्वयं सूर्य देव आशीर्वाद देते हैं। लेकिन जिनके पुत्र नहीं है, उन्हें धर्मराज के अनुसार उनकी पत्नी के द्वारा श्राद्ध कर्म होने पर श्राद्ध फल मिलेगा। पत्नी न होने पर सहोदर भाई, सहोदर भाई के ना होने पर जामाता व नाती श्राद्ध करने के अधिकारी माने गए हैं।

बुद्धि कौशल

### हल करें राजस्थान से सम्बन्धित सामान्य ज्ञान के कुछ प्रश्न
### अपने उत्तर का मिलान करें अन्य पृष्ठ पर प्रकाशित प्रश्नोत्तरी से

1. राजस्थान का सबसे शुष्क स्थान कौनसा है।
2. राजस्थान में डूंगरपुर और बांसवाड़ा को पृथक करने वाली नदी है?
3. राजस्थान में बरेठा बांध कहां है?
4. चूलिया प्रपात किस नदी पर स्थित है?
5. लूनी नदी का उद्गम स्थल कहां है?
6. राजस्थान में किस जिले में सबसे ज्यादा वन पाए जाते हैं?
7. रेगिस्तान वनरोपण और भू संरक्षण केन्द्र कहां स्थित है?
8. खनन क्षेत्र में होने वाली आय की दृष्टि से राजस्थान का देश में कौनसा स्थान है?
9. राजस्थान में मेंगनीज का सबसे बड़ा उत्पादक जिला कौनसा है?
10. देश की एकमात्र टंगस्टन की खान राज्य में कहां है?
11. राजस्थान का सबसे अधिक फेल्सपार किस जिले से प्राप्त किया जा सकता है?
12. मांडो की पाल(डूंगरपुर) किस खनिज के लिए प्रसिद्ध है?
13. झामरकोटड़ा क्षेत्र किस जिले में है?
14. राजस्थान का सबसे बड़ा जिप्सम का जमाव कहां मिलता है?
15. राजस्थान में हीरे के भंडारों की खोज कहां हुई?
16. सर्वाधिक विक्रय मूल्य अर्जित करने वाला राजस्थान का खनिज कौनसा है?
17. राजस्थान में सीसे की सबसे बड़ी खान कहां है?
18. राजस्थान में काला पत्थर बहुतायत में कहां पाया जाता है?
19. देश का कितना प्रतिशत एस्बेस्टस राजस्थान की खानों से प्राप्त होता है?
20. गार्नेट सर्वाधिक कहां पाया जाता है?
21. मरुस्थल विकास कार्यक्रम कब शुरू किया गया है?
22. डांग प्रादेशिक विकास बोर्ड का कार्यक्षेत्र कौनसा है?
23. राजस्थान के राज्य पक्षी का क्या नाम है?
24. मार्बल नगरी के नाम से मशहूर शहर का नाम है?
25. सोनू (जैसलमेर) किस खनिज के लिए प्रसिद्ध है?
26. किस क्षेत्र में पीला इमारती पत्थर मिलता है?
27. राजस्थान में बेन्टोनाइट के भंडार कहां मिलते हैं?

(प्रश्नोत्तरी देखें अन्यत्र पृष्ठ पर)

✍ रिशिका नागदा

# कन्याओं का कला पर्व-सांझी

✍ रेणु शर्मा

सांझी पर्व मध्यप्रदेश के मालवांचल में प्रति वर्ष भाद्र मास की पूर्णिमा से आश्विनी मास की अमावस्या तक बालिकाएं बड़ी उमंग और आस्था के साथ मनाती हैं। पितृ पक्ष में आयोजित इस पर्व के दौरान वे प्रतिदिन शाम को गोबर और गुलतेबड़ी आदि मौसमी फूल पत्तियों से संझा मांडती है और सामूहिक रूप से आरती उतार कर आराधना के गीत गाती है।

मालवा के समान ही अन्य अंचलों में भी यह उत्सव स्थानीय रंग रूपों और प्रथा परम्पराओं के अनुसार मनाया जाता है। इसे राजस्थान में संझ्या, महाराष्ट्र में गुलाबाई, हरियाणा में सांझी-धूंधा और मिथिला प्रदेश में सांझी या संझा कहा जाता है। मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड में मनाया जाने वाला सुअटा पर्व और निमाड़ के संझा फूली के त्योहार में भी कुंवारी कन्याओं की आस्था और आकांक्षाएं लोक चित्रकारी के माध्यम से अभिव्यक्त होती हैं। न केवल भित्ति चित्रों में बल्कि इस अवसर पर गाये जाने वाले गीतों में भी साम्य दिखाई देता है।

**भित्ति चित्रण लोक कला** - सांझी में बालिकाएं घर-आंगन की बाहरी दीवार या ऐसी ही किसी सपाट सतह पर गोबर से चाँद, सूरज, स्वस्तिक, गणेश, पंखा छाबड़ी, हाथी, कौआ, पालकी, संजा या सांझी माता, खेलते-खाते हुए भाई-बहन, रसोई, घर, छांछ-बिलोनी, खाना बनाती स्त्रियाँ और विभिन्न फूलों की आकृतियाँ आदि बनाती हैं। फिर इन आकृतियों को फूल-पत्तियों तथा रंगीन कागज और पन्नियों से सजाती हैं।

संझा में चाँद-सूरज हर दिन बनते हैं, अन्य आकृतियों को क्रमानुसार बदलते हुए बनाते हैं। एक दिन पूर्व की आकृति को निकाल दिया जाता है। अंतिम दिन बनाए जाने वाले 'किला कोट' में पंद्रह दिनों की समस्त आकृतियाँ बनाई जाती हैं। श्राद्ध पक्ष के इन सोलह दिनों में साँझ होते ही दीपक प्रज्वलित कर लड़कियाँ संझा का स्वागत गीत-नृत्य, पूजा-आरती से करती हैं और प्रसाद बांटती हैं।

संझा विसर्जन के लिए बालिकाएँ गाते-बजाते नदी या तालाब पर जाती है। इस समारोह में लड़कियों में से ही वर-वधू के रूप में बालिकाओं को सजाया जाता है। हास-परिहास, उल्लास सहित यह समूह घर-घर जाकर नेग, भेंट पैसे लेता है और विसर्जन के अगले दिन उससे गोट यानी सहभोज का आयोजन होता है। इससे बालिकाओं में नम्रता, सहकार भाव, भोजन बनाने और

परोसने, व्यवस्था संभालने, संचालन, नेतृत्व, आत्मविश्वास, सामाजिकता, एकता व सहनशीलता के गुणों का विकास होता है।

घर के बाहर, दरवाजे पर दीवारों पर कुंवारी गाय का गोबर लेकर लड़कियां विभिन्न आकृतियां बनाती हैं। उन्हें फूल, पत्तों, मालीपन्ना सिन्दूर आदि से सजाती हैं और संध्या समय उनका पूजन करती हैं।

प्रतिदिन शाम को कन्याएँ घर-घर जाकर संझादेवी के गीत गाती हैं एवं प्रसाद वितरण करती हैं। प्रसाद ऐसा बनाया जाता है जिसे कोई ताड़( बता) न सके। जिस कन्या के घर का प्रसाद ताड़ नहीं पाते उसकी प्रशंसा होती है।

अंत के दिनों में हाथी-घोड़े, किला-कोट, गाड़ी आदि की आकृतियां बनाई जाती हैं। सोलह दिन के पर्व के अंत में अमावस्या को संझा देवी को विदा किया जाता है।

## सांझी के प्रकार

फूलों की सांझी, रंगों की सांझी, गाय के गोबर की सांझी और पानी पर तैरती सांझी। पौराणिक कथाओं में ब्रह्मा के मानस पुत्र पीलम ऋषि की पत्नी 'सांझी' थी, जिसे मां दुर्गा भी कहते हैं। सांझी, संझा, संझा जैसे भिन्न-भिन्न प्रचलित नाम अपने शुद्ध रूप में संध्या शब्द के द्योतक हैं। एक लोक मान्यता के अनुसार - 'सांझी' सभी की 'साझी देवी' मानी जाती है। संध्या के समय कुंआरी कन्याओं द्वारा इसकी पूजा-अर्चना की जाती है। संभवत: इसी कारण इस देवी का नाम 'सांझी' पड़ा है।

कुछ शास्त्रों के अनुसार धरती पुत्रियां सांझी को ब्रह्मा की मानसी कन्या संध्या, दुर्गा, पार्वती तथा वरदायिनी आराध्य देवी के रूप में पूजती हैं।

इन दिनों चल रहे श्राद्ध पक्ष के पूरे 16 दिनों तक कुंआरी कन्याएं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में दीवारों पर बहुरंगी आकृति में 'सांझी' गढ़ती हैं तथा ज्ञान पाने के लिए सिद्ध स्त्री देवी के रूप में इसका पूजन करती हैं।

## लोकजीवन का प्रतिबिम्ब

*ठकराणी चाल चाले, मराठी बोली बोले*
*संझा हेड़ो, संझा ना माथे बेड़ो।'*

सांझा पर्व में संझा बाई को ससुराल जाने का संदेश भी दिया जाता है- *'छोटी-सी गाड़ी लुढ़कती जाय,*
*जिसमें बैठी संझा, बाई सासरे जाय,*
*घाघरो घमकाती जाय, लूगड़ो लटकाती जाय*
*बिछिया बजाती जाय।'*
*'म्हारा नथनी घड़ई दो मालवा जाऊँ*
*मालवा से आई गाड़ी इंदौर होती जाय*
*इसमें बैठी संझा बाई सासरे जाय।'*
*'संझा बाई का सासरे से, हाथी भी आया*
*घोड़ा भी आया, जा वा संझा बाई सासरिये,'*

संझा बाई जवाब देती हैं -

*'हूँ तो नी जाऊँ दादाजी सासरिये'*

दादाजी समझाते हैं-

*'हाथी हाथ बंधाऊँ, घोड़ा पाल बंधाऊँ,*
*गाड़ी सड़क पे खड़ी जा हो संझा बाई सासरिये।'*

गीत के अंत में भोग लगाकर गाते हैं -

'संझा तू जीम ले,
चूढ ले मैं जिमाऊं सारी रात,
चमक चाँदनी सी रात,
फूलो भरी रे परात,
एक फूलो घटी गयो,
संझा माता रूसी गई,
एक घड़ी, दो घड़ी, साढ़े तीन घड़ी।'

अंत के पांच दिनों में हाथी-घोड़े, किला-कोट, गाड़ी आदि की आकृतियां बनाई जाती हैं। सोलह दिन के पर्व के अंत में अमावस्या को संझा देवी को विदा किया जाता है।

# हिन्दी रोजगार की संभावनाओं से भरपूर

**हिन्दी की पढ़ाई रोजगार के बेहतरीन मौके उपलब्ध कराती है। इन मौकों में दिन पर दिन वृद्धि भी हो रही है। हिन्दी में करियर की संभावनाओं के बारे में बता रही हैं - *नमिता सिंह***

किसी भी देश की राष्ट्रभाषा वही मानी जाती है, जिसका अपने देश की संस्कृति, सभ्यता व साहित्य से गहरा संबंध हो। राष्ट्रभाषा बनने के लिए यह भी आवश्यक है कि उसे देश की बहुसंख्यक जनता बोलती व समझती हो। अपने देश के संदर्भ में हिन्दी पर ये सभी बातें सही ठहरती हैं। हिन्दी को न सिर्फ भारत की राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त है, बल्कि यह सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। आज भारी संख्या में विदेशी छात्र हिन्दी सीखने के लिए भारत आ रहे हैं। कई तकनीकी रोजगार हिन्दी के बल पर मिलते नजर आ रहे हैं। हिन्दी के भविष्य बाजार को देखते हुए कहना गलत न होगा कि आने वाला समय और भी रोजगारपरक होगा।

**14 सितम्बर - हिन्दी दिवस विशेष**

## कम नहीं है लोकप्रियता

देश में विदेशी चैनलों का आगमन हुआ तो लगा कि हिन्दी का वजूद घट जाएगा, लेकिन हिन्दी की उपयोगिता का ही आलम है कि आज सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल एवं सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला समाचार पत्र हिन्दी में ही है। हिन्दी सिनेमा भी लोगों के लिए एक सशक्त माध्यम बन कर उभरा है। माइक्रोसॉफ्ट ने भी हिन्दी पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए हिन्दी में ऑपरेटिंग सिस्टम शुरू किया। बीबीसी सहित कई वेबसाइट्स अपना हिन्दी पोर्टल चला रही हैं। आईटी ने भी ऑनलाइन हिन्दी सीखने के लिए नया ट्रेंड शुरू किया है।

## कब रखें कदम

हिन्दी भाषा से संबंधित दो तरह के कोर्स मौजूद हैं – परम्परागत और प्रोफेशनल। परम्परागत बैचलर कोर्स में बारहवीं के बाद प्रवेश मिलता है, जबकि मास्टर डिग्री में स्नातक के बाद कदम रख सकते हैं। इसके बाद एमफिल व पीएचडी की राह आसान हो जाती है, जबकि प्रोफेशनल्स कोर्स में स्नातक के बाद ही मौका मिलता है।

## कुछ प्रमुख कोर्स

- हिन्दी में बीए, एमए, बीएड, एमएड, एमफिल व पीएचडी
- एमए इन फंक्शनल हिन्दी
- सर्टिफिकेट कोर्स इन क्रिएटिव राइटिंग
- पीजी डिप्लोमा इन हिन्दी जर्नलिज्म
- पीजी डिप्लोमा इन क्रिएटिव राइटिंग इन हिन्दी
- पीजी डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन(हिन्दी)
- पीजी सर्टिफिकेट इन हिन्दी जर्नलिज्म

## कोर्स की उपयोगिता

भारत की सभ्यता, संस्कृति एवं धर्म को देखते हुए अन्य भाषाओं की भांति हिन्दी में भी कई कोर्स किए गए हैं। भूमंडलीकरण के बाद से इसमें तेजी से बदलाव देखने को मिला। खुद अमेरिका में हिन्दी का 46 वर्ष पुराना इतिहास है। आज स्थिति यह है कि वहां पर 100 से भी ज्यादा संस्थानों में हिन्दी की पढ़ाई होती है। भारत में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री व पीएचडी लेवल पर कई कोर्स हैं, जो हिन्दी की उपयोगिता में चार चांद लगा रहे हैं। इन कोर्स की अवधि तीन माह से लेकर 3-4 साल तक है।

## रोजगार की भरपूर संभावना

रोजगार के क्षेत्र में भी हिन्दी का कोई सानी नहीं है। केन्द्र व राज्य सरकार की हिन्दी भाषी क्षेत्रों की कई यूनिटों ने अपना कामकाज हिन्दी में करने का निर्णय लिया है। इससे रोजगार की संख्या में वृद्धि हुई है।

**सरकारी सेवा क्षेत्र** - केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिन्दी ऑफिसर, हिन्दी ट्रांसलेटर, हिन्दी असिस्टेंट, लिपिक, स्टेनोग्राफर, ऑफिसर मैनेजर के रूप में नियुक्तियां होती हैं।

**अनुवादक व द्विभाषिया** - प्रिंट मीडिया सहित कई सरकारी विभागों में अनुवादक, द्विभाषिए व हिन्दी लेखक के रूप में अवसर सामने आए हैं। कई फर्म तो अनुवादकों को कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर एसाइनमेंट अथवा रोजगार देते हैं।

**स्क्रिप्ट राइटिंग** - आजकल फिल्मों में स्क्रिप्ट राइटरों की भारी मांग है। फिल्म निर्माता एक कॉन्ट्रेक्ट के तहत उन्हें काम देते हैं। फिल्मों के साथ-साथ रेडियो व टीवी में भी स्क्रिप्टराइटिंग का काम उपलब्ध हैं। प्रिन्ट मीडिया में क्रिएटिव व टेक्निकल राइटिंग की मांग है।

**शिक्षण** - देश के प्रमुख स्कूल-कॉलेजों में नर्सरी से लेकर पीजी लेवल तक टीचिंग का स्कोप है, जबकि विदेशी संस्थानों में भी हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति होती है।

**इंटरनेट** - एक समय इंटरनेट को हिन्दी में देख पाना या खोल पाना मुश्किल था, लेकिन आज इंटरनेट पर हिन्दी के शब्द उभर रहे हैं। कई हिन्दी वेबसाइट इंटरनेट पर मौजूद हैं। विभिन्न हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं के पोर्टल एवं ब्लॉग हिन्दी में इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। गूगल ट्रांसलेटर एवं यूनिकोड के आ जाने से अब इंटरनेट हिन्दी में आसानी से लिखा जा सकता है।

**कॉल सेंटर/टेलिकम्यूनिकेशन** - अंग्रेजी की ही भांति घरेलू कॉल सेंटरों में भी हिन्दी के आधार पर नौकरी मिलना आसान हो गया है। हिन्दी को आधार बना कर चल रहे ज्यादातर कॉल सेंटर दिन की ही शिफ्ट में संचालित होते हैं। इससे लड़कियों को अधिक फायदा पहुंच रहा है, जबकि टेलिकम्यूनिकेशन में भी हिन्दी ने अपनी भूमिका तय कर रखी है। इसमें हिन्दी का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता वर्ग है।

**मेडिकल व इंजीनियरिंग** - हिन्दी भाषियों की सफलता का औसत वही है, जो अंग्रेजी भाषा के छात्रों का है। मेडिकल के क्षेत्र में तो हिन्दी को लेकर कोई उदासीनता नहीं है, पर इंजीनियरिंग में अभी भी तकनीकी पक्षों को लेकर भ्रम की स्थिति है, जिसे भविष्य में हिन्दी के अनुकूल बनाया जा सकता है।

**कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर** - पहले सभी सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनियां अपने सॉफ्टवेयर अंग्रेजी में ही बनाती थीं, परन्तु भारतीय बाजार एवं मांग को देखते हुए उन्होंने हिन्दी सॉफ्टवेयर को बाजार में उतारना शुरू कर दिया है। इन हिन्दी सॉफ्टवेयरों के आ जाने से हिन्दी भाषी छात्रों को इस क्षेत्र में हाथ आजमाने का पूरा मौका मिल रहा है।

**वेतन** - हिन्दी के दम पर कॅरियर शुरू करने वाले प्रोफेशनल्स को प्रारंभ में 10 से 12 हजार की नौकरी आसानी से मिल जाती है। उसके बाद सब कुछ दक्षता एवं अनुभव पर निर्भर करता है। हिन्दी पर ही आधारित कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां खुद का भी काम किया जा सकता है, जिसके बाद कमाई की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

### चमकदार दुनिया है हिन्दी की

हिन्दी को लेकर जो पुरानी मानसिकता है, वह टूट जानी चाहिए। हिन्दी में भरपूर ताकत है, जो लोगों को रोजगार तक ले जा सकती है। हिन्दी की लोकप्रियता बढ़ती देख अंग्रेजी के लोग भी हिन्दी मीडिया की ओर आकर्षित हो रहे हैं। निश्चित तौर पर यह हिन्दी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए हिन्दी वालों को भी द्विभाषी बनना होगा। हिन्दी में पकड़ बनाने के लिए भाषा दक्षता की जरूरत होती है। विदेशी कंपनियां भारत में कारोबार करने की इच्छुक हैं तो उन्हें भी हिन्दी प्रोफेशनल्स चाहिए। आजकल हिन्दी में ब्लॉक, वेबसाइट और मोबाइल एप्स की भरमार है। इसके लिए हिन्दी के जानकारों की मांग है। विदेशों में भी इनकी भारी मांग है।

**- प्रो. हरिमोहन शर्मा**
**(वरिष्ठ साहित्यकार)**

JK Cement LTD.
Cementing the Nation
since 1974

JK SUPER
CEMENT
BUILD SAFE

की ओर से

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

JK SUPER
CEMENT
BUILD SAFE

JK WHITE CEMENT
THE PERFECT WHITE

JK WALL PUTTY
White Cement Based Putty

JK WATER PROOF
THE PERFECT SEAL

JK SUPER GRIP
Premium Floor & Wall Tile Adhesive

JK PrimaxX
White Cement Based Primer

VIJAYSTAMBH

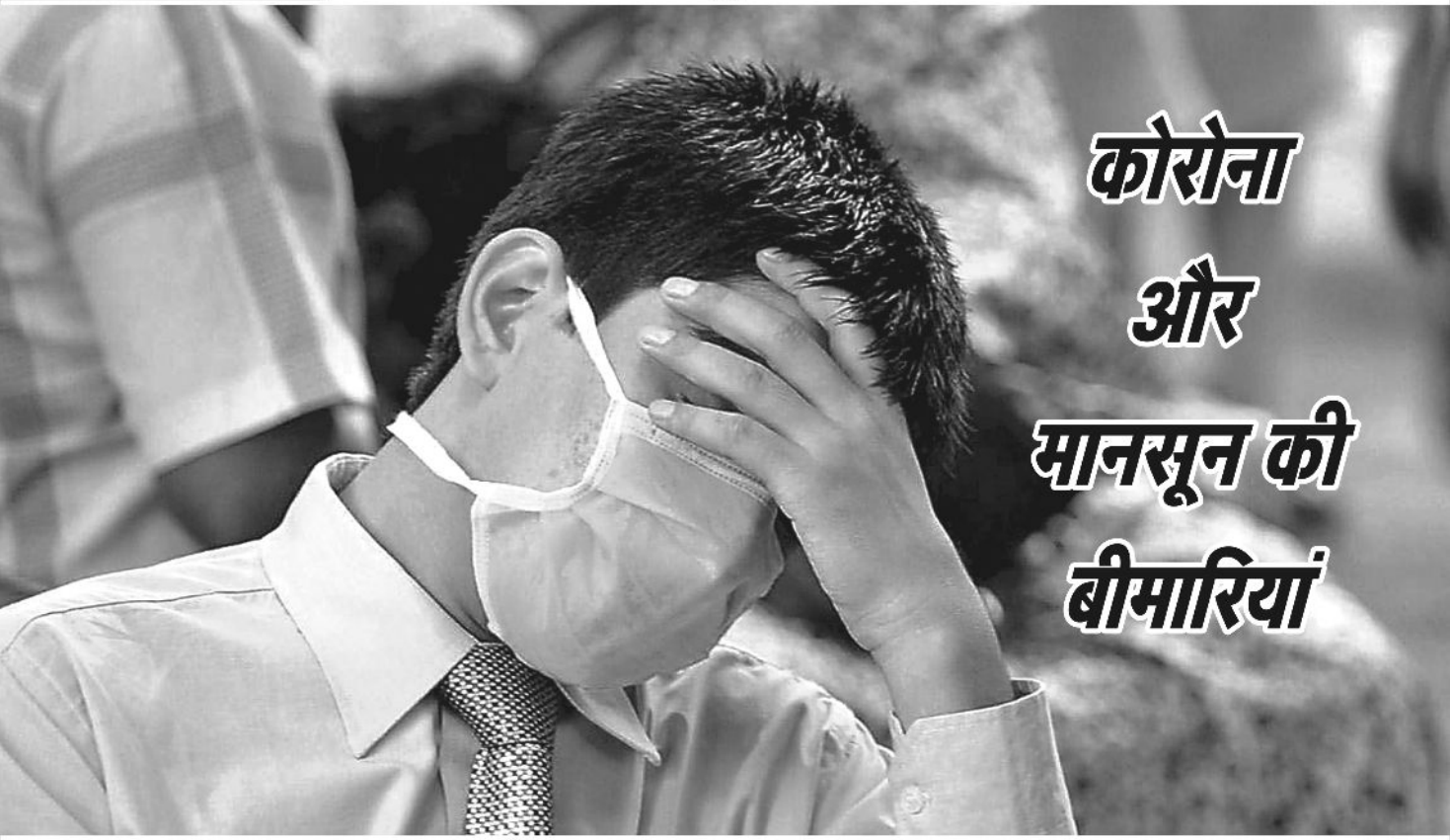

# कोरोना और मानसून की बीमारियां

**हमें कोविड-19 से बचना है। साथ ही, हमें खुद को उन मौसमी बीमारियों से भी बचाना है, जिनके लक्षण कोविड-19 से मिलते-जुलते हैं। डर, उलझन और खतरा न बढ़े, ऐसे में सावधानी ज़रूरी हैं**

✍ शिल्पा नागदा

मानसून में संक्रामक रोगों के साथ वेक्टर बॉर्न यानी मक्खी, मच्छर व दूसरे कीटाणुओं से फैलने वाले रोग का भी खतरा है। लेकिन इस बार कोविड-19 के संक्रमण ने खतरे को और बढ़ा दिया है। रूस ने वैक्सीन बना लेने का दावा ज़रूर किया है, पर उसके परिणाम को लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। कोविड-19 के संक्रमण के कई लक्षण मानसून की बीमारियों से मिलते हैं। ऐसे में इसे मानसून की दूसरी बीमारियों से अलग करना एक चुनौती भरा काम है। इसीलिए लक्षणों को ढंग से समझते हुए उचित जांच बेहद जरूरी है।

## खतरा क्यों है अधिक

मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) के अध्ययन में कहा गया कि मानसून के नमी और उमस भरे माहौल में कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। मानसून के दौरान वातावरण में नमी अधिक होने से संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स को सूखने में ज्यादा समय लगता है, जिससे वायरस सूखकर नष्ट नहीं होता और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अनुसार इस बात की आशंका बहुत कम है कि मानसून का कोरोना वायरस के प्रसार में कोई बड़ा असर पड़ेगा।

शुरू में कहा जा रहा था कि अधिक तापमान से कोरोना वायरस कमजोर होगा, लेकिन कोरोना वायरस के मामले में ऐसा देखने को नहीं मिला। ऐसे में चूंकि वायरस नया है, तो दावे के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि मानसून में कोरोना वायरस का प्रसार कैसा रहेगा। इसलिए कोविड-19 से जुड़ी सावधानियों का पालन कर कई मौसमी रोगों की चपेट में आने से भी बचा सकता है।

## बचाव है जरूरी

हम सर्दी-खांसी, थकान, हलके बुखार जैसे लक्षणों को सामान्य बात समझ कर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इस समय सभी सतर्क हैं। चूंकि इस समय

कोविड-19 का प्रकोप है, इस कारण किसी भी तरह का बुखार डर व उलझन पैदा कर देता है। वेक्टर जीवित जीव होते हैं, जो संक्रामक रोगाणुओं को मानव से मानव या पशुओं से मानव में फैलाते हैं। इनमें से कई वेक्टर खून चूसने वाले कीड़े-मकोड़े होते हैं। एक बार वेक्टर संक्रमित हो गया तो यह अपने पूरे जीवनकाल तक रोगाणु संचरित करता है।

## चिकनगुनिया

चिकनगुनिया, वायरस से होने वाला ही एक रोग है, जो मच्छरों से फैलता है। ऐडेस अल्बेपिक्टस इसका वाहक है। चिकनगुनिया के लक्षण मच्छर के काटने के 2-7 दिन में दिखाई देते हैं। अभी तक चिकनगुनिया का न तो कोई वैक्सीन है, न ही कोई एंटी-वायरल उपचार है। हालांकि ज्यादातर लोगों में इस बीमारी के गंभीर परिणाम नहीं होते।

**सामान्य लक्षण :** सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर रैशेज पड़ना, उल्टी होना

**विशेष लक्षण :** अचानक बुखार आ जाना, जोड़ों, विशेषकर घुटनों में तेज दर्द होना

### बचाव के उपाय

मानसून के दौरान शरीर को ढककर रहें, खिड़की-दरवाजे बंद रखें। घर से बाहर जाना हो तो पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। मानसून में फ्लॉवर पॉट या किसी भी अन्य बर्तन में पानी भरकर न रखें। कूलर का पानी बदलते रहें।

## डेंगू

डेंगू को ब्रेक बोन फीवर भी कहते हैं। यह फ्लू जैसा है, जो वायरस से फैलता है। डेंगू का बुखार ऐडीज ऐजिप्टी मच्छर के काटने से होता है, जो इस वायरस का कैरियर है। जब यह मच्छर स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो अपने डंक से उसके शरीर में वायरस को पहुंचा देता है।

**सामान्य लक्षण :** अचानक तेज बुखार (106 डिग्री से अधिक), सिरदर्द, जी मिचलाना और उल्टी होना, मांसपेशियों में दर्द और थकान

**विशेष लक्षण :** हड्डियों और जोड़ों में दर्द, आंखों में दर्द होना, त्वचा पर रैशेज पड़ना, लिम्फनोड का फूल जाना, बेचैनी और घबराहट होना।

**बचाव के उपाय :** ऐडीज मच्छर सुबह-शाम अधिक सक्रिय रहता है। इस दौरान बाहर निकलने से बचें। भीड़ वाली जगहों पर न जाएं। आसपास की जगहों को साफ रखें व पानी जमा न होने दें। घर में बाल्टी, टब या किसी बर्तन में भरे पानी को ढक कर रखें। कूलर की नियमित सफाई करें।

## मलेरिया

मलेरिया, घातक बीमारी है। यह संक्रमित एनाफिलिस मिनिमस मच्छर के काटने से होता है। संक्रमित एनाफिलिस, प्लाजमोडियम परजीवी का वाहक होता है। जब यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है, तो उसके रक्त में वो इस परजीवी को छोड़ देता है। यह परजीवी लीवर में विकसित होकर कुछ दिनों बाद लाल रक्त कणिकाओं को संक्रमित करने लगता है।

### सामान्य लक्षण

सिरदर्द, तेज बुखार, अधिक पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी व खांसी आना।

### विशेष लक्षण

अधिक ठंड लगने के कारण कंपकंपी, छाती और पेट में तेज दर्द, शरीर में ऐंठन व मल के साथ रक्त आना।

### बचाव के उपाय

एनाफिलिस मच्छर अंधेरे में अधिक सक्रिय रहता है, ऐसे में हमें चौबीसों घंटे इससे बचाव करना चाहिए। ऐसे कपड़े पहनें, जिसमें शरीर पूरी तरह ढका रहें। मच्छरदानी में सोएं। अपने घर के आसपास गंदा पानी न जमा होने दें, क्योंकि इन्हीं जगहों पर मच्छर सबसे अधिक पनपते हैं। खिड़कियां वही खोलकर रखें जो बारीक जालीदार हों। घर के बाथरूम-टॉयलेट को साफ-सुथरा रखें। उबला हुआ और साफ पानी पिएं।

## निमोनिया

निमोनिया फेफड़ों का संक्रमण है। यह बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के कारण होता है। इसमें एक या दोनों फेफड़ों के एयर सैक्स(एलविलोय) में सूजन आ जाती है। इनमें पस भर सकता है। वायरस और बैक्टीरिया से होने वाला निमोनिया छींकने और खांसने से दूसरों में फैल सकता है। लेकिन फंगल निमोनिया एक से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।

**सामान्य लक्षण :** खांसी के साथ बलगम आना, सांस फूलना, बुखार व पसीना आना और ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, थकान और कमजोरी, सिरदर्द

**विशेष लक्षण :** छाती में दर्द, धड़कन और सांस तेज चलना। निमोनिया के लक्षण, कारणों और संक्रमण की गंभीरता के साथ बदलते रहते हैं, इसके साथ ही व्यक्ति विशेष की सेहत और उम्र का भी असर पड़ता है। जैसे, बुजुर्गों में मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है और बुखार आने की बजाय शरीर का तापमान कम हो जाता है।

**बचाव के उपाय :** टीका लगवाएं। साफ-सफाई का ध्यान रखें। धूम्रपान न करें। पोषक और संतुलित भोजन करें। नियमित व्यायाम करें। पूरी नींद लें।

*शेष पेज 44 पर ...*

प्रत्यूष

# व्रत के व्यंजन

✍ पुष्पा शर्मा

## शाही आलू का हलवा

**सामग्री :** आलू 500 ग्राम, देशी घी-2 बड़े चम्मच, शक्कर एक कप, हरी इलायची-2, कटे हुए बादाम-1 छोटा चम्मच।

**विधि :** हरी इलायची का बाहरी छिलका निकालें और दानों को दरदरा कूट लें। आलू को छीलकर अच्छे से धो लें। अब आलू को कद्दूकस कर लें और एक बार फिर से धो लें। अब घिसे आलू को थोड़ी देर के लिए छलनी पर छोड़ दें जिससे कि इसका अतिरिक्त पानी निकल जाए। अब एक कड़ाही में घी गरम करें और इसमें आलू को 2 मिनट के लिए भूनें। कड़ाही पर ढक्कन लगा दें और आंच को धीमा करके आलू को पकने दें। आलू अच्छे से गल जाएं तो इनको कलछी की मदद से अच्छे से मसल दें। एक बार फिर से ढक्कन लगा कर आलू को 10 और मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकाएं। अब आलू में शक्कर डालें और अच्छे से मिलाएं। हरी इलायची और कटे बादाम से सजाकर यह हलवा परोसें।

## कुट्टू की पकौड़ी

**सामग्री :** 150 ग्राम कुट्टू का आटा, 100 ग्राम कच्चा कद्दू, 2 आलू, 1 चम्मच हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट, सेंधा नमक और काली, मिर्च पाउडर स्वादानुसार, तलने के लिये घी।

**विधि :** कुट्टू और आलू को छीलकर कस लें। कुट्टू के आटे में पानी डालकर पकौड़ी के घोल की तरह गाढ़ा घोल लें। इस घोल में अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और नमक मिलाएं। साथ ही कसा हुआ आलू और कट्टू भी डाल दें। कड़ाही में घी गर्म करें, जब घी गर्म हो जाये तो उसमें इस घोल की छोटी-छोटी पकौड़ियां डालकर तल लें। हरे धनिये की चटनी के साथ परोसें।

## सिंघाड़े आटे के नमकपारे

**सामग्री :** 200 ग्राम, सैंधा नमक-छोटी आधा चम्मच, जीरा-छोटी एक चम्मच, तेल-तलने के लिए।

**विधि :** सिंघाड़े के आटे को छान कर किसी बर्तन में निकाल लें। आटे में सैंधा नमक, जीरा और 2 चम्मच तेल डाल कर अच्छी तरह मिला लें। पानी से सख्त आटा गूंथे। आटे को 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। गुथे हुए आटे को मसल कर ठीक करें। इस आटे से चार बड़ी लोई बना लें। एक लोई को 6-7 इंच के व्यास में मोटा बेल कर चाकू से नमकपारे काट लें। कढ़ाई में तेल डाल कर गरम करें और गरम तेल में नमक पारे डालकर मीडियम आग पर ब्राउन होने तक तल लें। तले हुए नमक पारे निकाल कर प्लेट में रखें।

## आलू-सिंघाड़ा दही बड़ा

**सामग्री :** आलू-400 ग्राम, सिंघाड़े या कुट्टू का आटा-50 ग्राम, सैंधा नमक - आधा छोटी चम्मच, काली मिर्च-आधा छोटी चम्मच, बड़ी इलायची-कुटी हुई, भुना जीरा पाउडर-1 छोटी चम्मच, दही-400 ग्राम, घी या तेल-तलने के लिए।

**विधि :** आलू को धोकर उबाल कर छील लें। अब आलू को कद्दूकस कर लें। इनमें सिंघाड़े का आटा, स्वादानुसार सैंधा नमक, काली मिर्च, इलायची डाल कर अच्छी तरह मसल-मसल कर आटे की तरह गूंथ लें। दही को फैट लें और फैटे हुए दही में स्वादानुसार सैंधा नमक डाल कर मिला दें। कढ़ाई में धी या तेल डाल कर गरम करें। मिश्रण से थोड़ा-सा मिश्रण उठाकर गोल करके चपटा करें और बड़े का आकार दें और कढ़ाई में डाल ब्राउन होने तक तल लें। तलने के बाद बड़ों को कढ़ाई से निकाल कर दही में डुबा दें। आलू-सिंघाड़ा दही बड़ा व्रत के लिए तैयार है।

# केले का हलवा

**सामग्री :** तीन कच्चे केले, डेढ़ सौ ग्राम शक्कर 5-6 बड़े चम्मच घी, डेढ़ कप दूध, 10-12 काजू, 10-12 बादाम, 20-25 किशमिश, आधी छोटी चम्मच इलायची पाउडर।

**विधि :** कच्चे केले का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले केलों के डंठल को अलग करके उबाल लीजिए। ज्यादा देर नहीं सिर्फ कुकर में एक सीटी आने तक इसे उबालें। उबल जाने के बाद अब इन्हें प्लेट में निकाल कर इसके छिलकों को उतार लीजिए। अब इसके छोटे-छोटे टुकड़े करके इसे हल्के हाथों से मैश कर लीजिए। ड्रायफ्रूट्स को काट कर तैयार कर लीजिए। अब एक पैन में चार से पांच बड़े चम्मच घी डाल कर गर्म करें। गर्म हो जाने पर मैश किये हुए केले इसमें डालकर धीमी आंच पर चलाते हुए भूनें। केले का कलर और घी अलग होने पर केले के मिश्रण में दूध और शक्कर डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। मिश्रण को उबलने तक पकने दीजिए, एक बार उबाल आ जाने पर इसमें कटे हुए ड्रायफ्रूट्स डाल कर हलवे को गाढ़ा होने तक पकाएं। इस दौरान इसे बीच-बीच में चलाते रहें। मिश्रण के गाढ़ा हो जाने पर इसमें इलायची का पाउडर मिलाएं। केले का हलवा बन कर तैयार है। इसे प्लेट में निकालें और एक से दो चम्मच घी ऊपर से डाल कर काजू-बादाम गार्निश करके सर्व करें।

# चुकंदर का हलवा

**सामग्री :** कद्दूकस किया चुकंदर 2 कप, चीनी 3 चम्मच, इलायची पाउडर एक चौथाई चम्मच, फुल क्रीम दूध 1 कप, घी 1 चम्मच, काजू के टुकड़े 4 चम्मच।

**विधि :** दूध को अच्छी तरह से उबालें। पैन में एक चम्मच घी गर्म करके काजू को सुनहरा होने तक भून लें। उसी पैन में कद्दूकस किया चुकंदर डालें और उसे तीन से चार मिनट तक भूनें। जब दूध उबलकर गाढ़ा हो जाए तो उसे चुकंदर वाले पैन में डालें। आंच धीमी करके चुकंदर को दूध के साथ मध्यम आंच पर पकाएं। चीनी और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। जब हलवे से नमी की मात्रा खत्म हो जाए तो गैस ऑफ कर दें। हलवे को सर्विंग बाउल में डालें। भुने हुए काजू से गार्निश कर सर्व करें। गर्मी के मौसम में आप इस हलवे को ठंडा करके भी सर्व कर सकती हैं।

पेज 42 का शेष...

## कोल्ड एंड फ्लू

मानसून में इम्यून तंत्र कमजोर हो जाता है, इसलिए लोग आसानी से सर्दी, खांसी और बुखार के शिकार हो जाते हैं। कोल्ड और फ्लू संक्रामक रोग हैं, जो वायरस के कारण होते हैं। ये संक्रमित व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति में आसानी से संचारित हो सकते हैं।

**सामान्य लक्षण :** बुखार, मांसपेशियों में दर्द, नाक बहना, छींक आना

**विशेष लक्षण :** छाती में जकड़न, बुखार(हलके से लेकर तेज), गले की खराश।

**बचाव के उपाय :** अपने शरीर को गर्म रखें, हाथों को साफ रखे, चेहरा छूने से बचें, संक्रमित लोगों से दूरी बनाकर रखें, ठंडे और बासी भोजन का सेवन न करें, बारिश में भीगें तो साफ पानी से नहाएं।

संक्रामक रोग

## वायरल फीवर

वायरल बुखार किसी भी मौसम में हो सकता है, पर मानसून में इसके मामले अधिक देखे जाते हैं। यह वायरस के संक्रमण के कारण होता है।

**सामान्य लक्षण :** बुखार आना, ठंड लगना, थकान और कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द

**विशेष लक्षण :** जोड़ों में दर्द, चक्कर आना, भूख कम लगना, शरीर में पानी की कमी होना।

**बचाव के उपाय :**

- उबला पानी पिएं। घर का ताजा खाना खाएं। खुले में बिकने वाले कटे फल व सब्जियां न खाएं।
- खुद को व आसपास को साफ-सुथरा रखें। हाथों को बार-बार अच्छी तरह साबुन-पानी से धोएं।

**प्रश्नोत्तरी**

1. फलोदी 2. माही नदी 3. भरतपुर 4. चम्बल 5. आना सागर 6. उदयपुर 7. जोधपुर 8. आठवां 9. बांसवाड़ा 10. डेगाना-नागौर 11. अजमेर 12. फ्लोराइट 13. उदयपुर 14. जामसर-बीकानेर 15. केसरपुरा-चित्तौड़गढ़ 16. संगमरमर 17. जावर 18. सिरोही 19. 98% 20. टोंक 21. 1977-78 22. कोटा और भरतपुर संभाग 23. गोडावन 24. किशनगढ़ 25. चूना पत्थर 26. जैसलमेर 27. झालावाड़।

# इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

## मेष

परिश्रम एवं पराक्रम से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ एवं मंगल कार्य, संतान पक्ष की चिन्ता दूर होगी व माह का उत्तरार्द्ध धन सम्बन्धी चिंताओं का शमन करेगा। नई योजनाओं को मूर्त रूप दे सकते हैं, यात्राओं से लाभ मिलेगा।

## वृषभ

माह उतार-चढ़ाव वाला है। कार्य क्षेत्र में बदलाव, व्यापारी वर्ग के सम्मुख उलझनें आएंगी। भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा, हाथ एवं गर्दन में कष्ट, ध्यान रखें, पारिवारिक समस्याओं को नजरंदाज करना बेहतर होगा।

## मिथुन

यात्रा के योग बनेंगे। व्यापारिक वर्ग को नए अवसर मिलेंगे। किसी दीर्घकालीन समस्या का निदान होगा। दाम्पत्य जीवन क्लेशमय, उदर सम्बन्धी परेशानी हो सकती है। शत्रु परास्त होंगे एवं आर्थिक लाभ मिलेगा।

## कर्क

नौकरीपेशा जातकों को परेशानियां आ सकती हैं, अर्थोपार्जन के उद्देश्य से यात्राएं लाभप्रद रहेंगी। आय के नए स्रोत बनेंगे, कार्य क्षेत्र में मिसाल कायम करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम, विवादित पैतृक मामले पक्ष में रहेंगे। दाम्पत्य जीवन श्रेष्ठ एवं साझेदारी लाभप्रद रहेगी।

## सिंह

यह माह चुनौतियों से भरा है। आत्मबल से ही बाधाएँ पार कर सकेंगे। आय पक्ष में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक जीवन में मायूसी, नई योजनाओं को मूर्त रूप दे सकते हैं। स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि के योग, स्वास्थ्य नरम रहेगा।

## कन्या

यह माह श्रेष्ठ परिणाम देगा। अपेक्षा से अधिक ही हासिल करेंगे। भाई-बहिनों में सहयोग, व्यापारी वर्ग में प्रसन्नता, नौकरीपेशा जातक विवेक से सफल रहेंगे। आय पक्ष उत्तम, स्वास्थ्य में समस्या हो सकती है। स्थान परिवर्तन सम्भव।

## तुला

कार्य क्षेत्र में बेहद सतर्क रहें, विरोधी एवं शत्रु सक्रिय रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है, आय पक्ष सुदृढ़ रहेगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय, नाक, कान, गले सम्बन्धी समस्या उभर सकती है। सन्तान पक्ष से प्रसन्नता, विद्यार्थी वर्ग को श्रेष्ठ परिणाम मिलेगा।

### माह के प्रमुख उत्सव

| दिनांक | तिथि | पर्व/त्योहार |
|---|---|---|
| 1 सितम्बर | भाद्रपद शुक्ल 14 | अनन्त चतुर्दशी |
| 2 सितम्बर | भाद्रपद शुक्ल 15 | प्रतिपदा श्राद्ध |
| 5 सितम्बर | आश्विन कृष्णा 3 | शिक्षक दिवस |
| 14 सितम्बर | आश्विन कृष्णा 12 | राष्ट्रभाषा हिन्दी दिवस |
| 17 सितम्बर | आश्विन कृष्णा 30 | सर्व पितृ श्राद्ध |
| 18 सितम्बर | आश्विन शुक्ला 11 | पुरूषोत्तम(अधिक) मास |
| 27 सितम्बर | आश्विन शुक्ला 12 | शहीद भगत सिंह जयंती |
| 30 सितम्बर | आश्विन शुक्ला 14 | विश्व पर्यटन दिवस |

## वृश्चिक

स्थान परिवर्तन की पूर्ण सम्भावना किन्तु अनुकूलता प्राप्त होगी। नियम विरूद्ध आचरण न करें वरना विवादग्रस्त हो सकते हैं। भाई-बहिनों में सम्बन्ध बेहतर रहेगा, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगे जातकों को श्रेष्ठ परिणाम मिलेगा। दाम्पत्य जीवन उत्तम रहेगा।

## धनु

नौकरीपेशा एवं व्यवसाय से जुड़े जातकों के लिए समय श्रेष्ठ है। अपने से बड़े एवं श्रेष्ठीजनों के परामर्श से नया कार्य कर सकते हैं। मानसिक परेशानियों का शमन, व्यवस्थाओं में भी परिवर्तन किन्तु भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष से सन्तुष्टि, आय पक्ष मध्यम रहेगा।

## मकर

भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे अपने कार्यों एवं योजनाओं को गति दे पायेंगे, पुरुषार्थ अधिक करना होगा, जिससे आय पक्ष सुदृढ़ बनेगा। कार्य क्षेत्र में नये आयाम, रचनात्मक कार्यों के प्रति रुझान, दाम्पत्य जीवन अच्छा, स्वास्थ्य की दृष्टि से कन्धे में दर्द की समस्या हो सकती है।

## कुम्भ

व्यवसाय से जुड़े जातकों को श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा जातकों को व्यवहार सही रखना होगा, लेन-देन के समय विशेष सावधानी बरतें। पारिवारिक जीवन में ताल-मेल का अभाव, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। आय पक्ष सामान्य, राज्य एवं सत्ता पक्ष से लाभ मिलेगा।

## मीन

यह माह मिश्रित परिणाम वाला रहेगा। जीवन साथी के सहयोग से कार्य क्षेत्र में कुछ अच्छा कर पायेंगे। विचारों में परिवर्तन, पैतृक सम्पत्ति का लाभ, आय पक्ष श्रेष्ठ, भाग्य का पूर्ण सहयोग एवं संतान पक्ष से सौम्यता मिलेगी। न्यायिक एवं शासकीय मामले पक्ष में रहेंगे, दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा।

## 'हकीकत बहिड़ा : महाराणा सरदारसिंह का विमोचन'

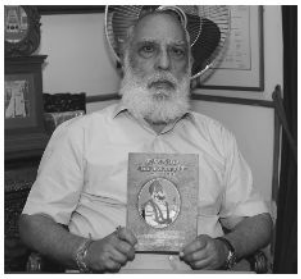

उदयपुर। महाराणा सरदारसिंह की 222वीं जयंती के पर महाराणा मेवाड़ हिस्टोरिकल पब्लिकेशन्स ट्रस्ट से प्रकाशित पुस्तक 'हकीकत बहिड़ा : महाराणा सरदारसिंह (ई.स. 1838 से 1842) का विमोचन गत दिनों महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने किया। फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि सरदार सिंह का जन्म भादवा कृष्ण तृतीया, विक्रम संवत 1855 को हुआ था। उनके कार्यकाल में दैनिक लिखे जाने वाले बहिड़ों से पुस्तक तैयार की गई है, जिसमें उनके कार्यकाल की घटनाओं व जीवन वृत्त का विस्तार से वर्णन है।

## नाहर ने पदभार संभाला

उदयपुर। आकाशवाणी उदयपुर एवं डूंगरपुर केन्द्र के निदेशक का कार्यभार वरिष्ठ अधिकारी राजेन्द्र नाहर ने पिछले दिनों ग्रहण कर लिया। उन्होंने बताया कि जल्द ही आकाशवाणी उदयपुर के स्टूडियो को पूर्ण रूप से स्वचालित किया जाएगा।

## अनुष्का ग्रुप का डिजिटल स्टूडियो शुरु

उदयपुर। अनुष्का ग्रुप ने सुभाष नगर में डिजिटल स्टूडियो का शुभारंभ कर अनुष्का ऑनलाइन क्लासेस में एक और कदम बढ़ाया। संस्थापक डॉ. एस एस सुराणा के साथ अध्यापकों की टीम भी उपस्थित थीं। संस्थापक निदेशक राजीव सुराणा ने बताया कि आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बैंक, एसएससी, आईएएस, रेलवे आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ कक्षा 8वीं से 12वीं तक के सभी विषयों की तैयारी भी करवाई जाएगी। रोजाना सभी कोर्स की कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी। जिससे विद्यार्थी घर पर ही आसानी से तैयारी कर सकेंगे।

## लवीश का सम्मान

उदयपुर। महिला समृद्धि बैंक की स्टाफ सदस्य ललिता ओर्डिया के पुत्र लवीश ओर्डिया के यूपीएससी में 18वीं रैंक पर चयन होने पर दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑप बैंक लि. द्वारा सम्मान किया गया। बैंक अध्यक्ष विद्याकिरण अग्रवाल व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने लवीश के माता-पिता का भी सम्मान किया। इस अवसर पर बैंक उपाध्यक्षा सुनीता मांडावत, निदेशक चन्द्रकला बोल्या, मीनाक्षी श्रीमाली, भगवती मेहता, सारिका बोहरा, संजना मीणा, दिशाश्री भण्डारी, महाप्रबंधक उषा भट्ट सहित बैंक स्टाफ एवं अभिकर्ता उपस्थित थे।

## दुग्गल बने वेदांता सीईओ

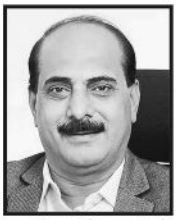

उदयपुर। वेदांता लिमिटेड ने हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के पूर्व सीईओ सुनील दुग्गल को कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया है।

इससे पूर्व, मार्च 2020 में सुनील दुग्गल को वेदांता के अंतरिम सीईओ के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। उन्होंने कहा कि वेदांता लक्ष्य उन्मुख कंपनी है और हमारे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मेरा दृढ़ संकल्प है कि भारत आत्मनिर्भर बने, और इस उच्च लक्ष्य को संभव बनाने के लिए मैं सदैव अपनी कंपनी और समुदाय के लिए प्रतिबद्ध और कटिबद्ध हूं।

## नमकीन आउटलेट का शुभारम्भ

उदयपुर। फिल्म अभिनेता राहुल रॉय ने गत दिनों फतहपुरा में नमकीन के आउटलेट मिक्स मास्टर का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान उनके साथ फिल्म द वॉक की अभिनेत्री रुपाली यादव, फिल्म डायरेक्टर नितिन गुप्ता, फोर्टी राजस्थान शाखाओं के को-चेयरमैन प्रवीण सुथार, मालिक राजीव बेलानी, मिक्स मास्टर के संचालक अभिषेक चौहान, अनुपमा चौहान, लोटस हाई-टेक इंडस्ट्रीज से जय शर्मा आदि मौजूद थे।

## भाणावत राष्ट्रीय निर्णायक नियुक्त

उदयपुर। लेकसिटी के विनय भाणावत को यूनिक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अध्यक्ष एवं निदेशक सबब्बी मंगल ने राष्ट्रीय निर्णायक नियुक्त किया है।

HAPPY INDEPENDENCE DAY

**Parmeshwar Agarwal**
Director

# PREM

## MARBLES PVT. LTD.

ELEGANCE ENGRAVED ETERNAL

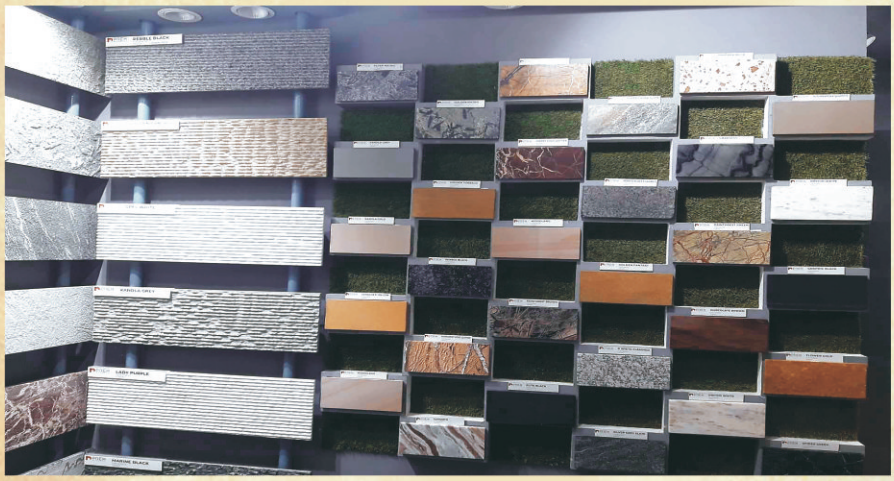

Marine Black Cherry Gold Marine Beige

NH 8, Amberi, Udaipur - 313004 Rajasthan, India
M : +91 8890473333 / 8003834567
Email : stone@premmarbles.com
Website : www.premmarbles.com

# Happy Independence Day

# SANDAL JEWELLERS

**We are deal only hallmark Jewellery** | **Gold purity 91.6 22/22K**

मानक पथप्रदर्शक

**Exclusive light weight Gold Jewellery**

1. Government Approved Jewellery
2. Gold purity testing by carat machine.
3. Swarn yojana deposit scheme starting at 1000 rupees. Pay 11 installment and get 1 installment free & pay 21 installment and get 3 installment free free free

INTERNATIONAL GEMOLOGICAL INSTITUTE

**Exclusive light weight Diamond Jewellery**

1. All Diamonds are tested international Gemological Institute tested (IGI).
2. Exclusive design Jewellery, High category Diamond Purity vvs, vs (Super deluxe, deluxe) & colour F, G, H (white & offwhite)

**Head Office:**
**Sandal Jewellers**
677-678 Chetak Marg, Udaipur-313001
Phone: 0294-2423533, 2425712, Mobile: 9414168712
Email: sandal.udaipur2009@gmail.com

**Branch Office:**
62-Moti Chohatta, Clock Tower
Udaipur (Raj).
Phone: 0294-2421012
Mobile: 7737792247

# इन्दिरा आईवीएफ से 65 हजार से अधिक युगल बने अभिभावक

उदयपुर। इन्दिरा आईवीएफ नि:संतान दम्पतियों को उपचार के लिए आगे आने की अपील करता है ताकि वे भी माता-पिता बन सकें। इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के सीईओ डॉ. क्षितिज मुर्डिया ने कहा कि नि:संतानता का भी आम बीमारियों की तरह उपचार किया जा सकता है। भारत में 10-15 प्रतिशत दम्पती नि:संतानता से प्रभावित हैं, खासकर युवाओं में यह समस्या गंभीर रूप से सामने आ रही है। इन्दिरा आईवीएफ से उपचार लेकर 65 हजार से अधिक कपल्स पैरेंटहुड को एंजोय कर रहे हैं। इन्दिरा आईवीएफ उदयपुर सेंटर हेड डॉ. तरूणा झम्ब ने बताया कि आईवीएफ प्रेग्नेंसी भी सामान्य गर्भधारण के समान ही होती है।

## अग्रवाल व जोशी हिन्द जिंक के निदेशक

अंजनी के अग्रवाल

अखिलेश जोशी

उदयपुर। वेदांता लिमिटेड की सहायक हिन्दुस्तान जिंक ने ईवाय के पूर्व वरिष्ठ पार्टनर अंजनी के अग्रवाल और हिन्दुस्तान जिंक के पूर्व सीईओ अखिलेश जोशी को 1 अगस्त से कंपनी बोर्ड में निदेशक के रूप में शामिल किया है। नियुक्ति पर अग्रवाल व अखिलेश जोशी ने कहा कि हिन्दुस्तान जिंक अपनी सर्वोत्तम विरासत, उत्कृष्ट तकनीक और नवाचार के लिए सदैव अग्रणी रहा और रहेगा।

## इनरव्हील क्लब को मिले 28 अवार्ड

उदयपुर। इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 305 की चेयरपर्सन रचना सांघी ने स्थानीय क्लब को बेस्ट क्लब, बेस्ट प्रेसीडेंट सहित 28 अवार्ड से सम्मानित कर प्रांत का प्रथम क्लब घोषित किया। बेस्ट प्रेसीडेंट का पुरस्कार-रेखा भाणावत, बेस्ट सचिव-सुंदरी छतवानी, डायनेमिक ट्रेजरार-सुरजीत छाबड़ा, बुलेटिन संपादक-पुष्पा सेठ, एक्टिव आईएसओ-आशा खथुरिया, कांता जोधावत, अरुणा जावरिया, सावित्री टाया, मनीषा अग्रवाल, पुष्पा कोठारी, शीला तलेसरा सहित टीम को 28 अवार्ड मिले।

## लायन्स डिस्ट्रिक्ट का न्यू वॉइस कॉन्क्लेव

उदयपुर। लायंस इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 के प्रांतपाल 'एमजेएफ लॉयन संजय भंडारी' की अध्यक्षता में वर्चुअल न्यू वॉइस कॉन्क्लेव आयोजित हुआ। प्रांतीय सचिव लायन श्याम नागौरी ने बताया कि मुख्य अतिथि पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक लॉयन अरुणा ओसवाल, मुख्य वक्ता भारत की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय निदेशक लॉयन संगीता जटिया थी। सर्वप्रथम न्यू वॉइस की सीईओ लॉयन पूनम लाडिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। कोऑर्डिनेटर 'सर्विस' लॉयन मंजू जोशी जोधपुर ने स्वागत उद्बोधन दिया। कोऑर्डिनेटर 'मेंबरशिप' नागौर की लॉयन पूर्णिमा कत्याल, कोऑर्डिनेटर 'लीडरशिप' जोधपुर की दुर्गा चौधरी ने अतिथियों का परिचय दिया। प्रांतीय सचिव मुख्यालय लायन जितेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि नई आवाज लायंस का एक विविध समूह है। यह महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

## मंथन-2020 का विमोचन

उदयपुर। राजस्थान पेंशनर समाज की स्मारिका 'मंथन-2020' का आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार में राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल, पेंशन विभाग की अतिरिक्त निदेशक भारतीराज एवं पेंशनर समाज अध्यक्ष भंवर सेठ ने विमोचन किया।

## अग्रवाल सह संयोजक नियुक्त

उदयपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के उपाध्यक्ष प्रकाशचंद्र अग्रवाल को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय सह संयोजक मनोनीत किया है।

## दीपेश अध्यक्ष एवं मनप्रीत महासचिव

दीपेश हेमनानी

मनप्रीत सिंह

उदयपुर। उदयपुर रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन के चुनाव में सर्वसम्मति से दीपेश हेमनानी अध्यक्ष व मनप्रीत सिंह महासचिव चुने गये। प्रवक्ता भरत साहू ने बताया कि रवीन्द्र श्रीमाली, बाला भाई व पुष्कर साहू संरक्षक, हेमन्त दया, प्रशान्त अग्रवाल उपाध्यक्ष, जसमीतसिंह सुब्रत व अग्रवाल सचिव, पंकज बोराणा, जय विजयवर्गीय सह सचिव तथा करतारसिंह कोषाध्यक्ष बनाए गए।

## मिराज का स्माल टोस्ट पैक लॉन्च

उदयपुर। मिराज समूह की सहायक कम्पनी मिराज एफ एमसीजी ने मिराज टोस्ट को नए, छोटे 2 रुपए के पैक को लॉन्च किया है। राबचा स्थित मिराज परिसर में ग्रुप चेयरमैन मदन पालीवाल, वाईस चेयरमैन मंत्रराज पालीवाल, देवेन्द्र सिंह ओबराय ने लॉन्चिंग की। उत्पाद निर्माण नाथद्वारा में जबकि विपणन राजस्थान के अलावा गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा और नई दिल्ली सहित कई राज्यों में होता है।

## सारस्वत व राजानी बोम सदस्य

प्रो. बी. पी. सारस्वत

हरीश राजानी

उदयपुर। राज्य सरकार ने प्रो. बी. पी. सारस्वत को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट का सदस्य नामित किया है। कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र के सचिव सुबीर कुमार के अनुसार उन्हें एक वर्ष के लिए मनोनीत किया गया है। इसी तरह सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी को राजस्थान युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एण्ड साइन्सेज में बोम सदस्य मनोनीत किया गया।

## कक्षा-कक्षों का लोकार्पण

उदयपुर। राउण्ड टेबल इंडिया की योजना के तहत राउमावि सौभागपुरा में फर्नीचर युक्त चार नवनिर्मित कक्षा-कक्षों का लोकार्पण हुआ। प्रधानाचार्य स्मिता राठौड़ ने बताया कि मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा संयुक्त निदेशक शिवजी गौड़, एडीइओ चन्द्रशेखर जोशी, राउण्ड टेबल अध्यक्ष मुस्तफा हुसैन, आदित्य, वरुण आदि मौजूद थे। मोहम्मद सलीम ने आभार जताया।

## 280 प्रतिभाओं का सम्मान

उदयपुर। जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन का माउंट लिटेरा स्कूल में संभाग स्तरीय टेलेंट अचीवर्स अवार्ड-2020 प्रतिभा सम्मान समारोह गत दिनों हुआ। इसमें जैन समाज के आईएएस में चयनित शहर के तीन युवाओं सहित 280 प्रतिभावान विद्यार्थियों का वर्चुअल सम्मान किया। मेवाड़ रीजन के चेयरमैन आरसी मेहता ने बताया कि समाज के आईएएस में चयनित अंकुश कोठारी, लविश ओर्डिया और अभिजीत भाणावत का कार्यक्रम स्थल पर सम्मान किया। सचिव अरूण मांडोत ने बताया कि इस मौके पर चेयरमैन निर्वाचित मोहन बोहरा, फेडरेशन के संयुक्त सचिव आर एल जोधावत, फेडरेशन के पीआरओ ग्रीटिंग हिमांशु मेहता, आलोक पगारिया, कार्यक्रम संयोजक हेमंत गोखरू, पंकज मांडावत, जितेन्द्र हरकावत, शुभम गांधी आदि मौजूद थे।

## एमएसएमई में हंसराज चौधरी मनोनीत

उदयपुर। एमएसएमई सेक्टर से विशेषज्ञ प्रतिनिधि के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में उद्यमी हंसराज चौधरी का मनोनयन किया गया। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अरुणा शर्मा ने बताया कि जिला और राज्य स्तर पर स्टैंडिंग कमेटी और राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

## विवेक कटारा को पीएचडी

उदयपुर। पेसिफिक विश्वविद्यालय ने कांग्रेस के युवा नेता विवेक कटारा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। विवेक ने 'माइक्रो-फाइनेंस की मूल्यांकन संभावनाओं का महत्वपूर्ण आंकलन : उदयपुर के सूक्ष्म वित्तीय संस्थानों का एक अध्ययन' विषय पर डॉ. एस एल मेनारिया के निर्देशन में शोध किया है।

## जी एल नागदा देहात अध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। विप्र फाउण्डेशन राजस्थान प्रदेश जोन-1 के प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नरेन्द्र पालीवाल ने गणेश लाल नागदा भूतालावाला को विप्र फाउण्डेशन युवा प्रकोष्ठ-उदयपुर देहात(पूर्वी-उत्तरी क्षेत्र) अध्यक्ष व लोकेश पालीवाल को विप्र फाउण्डेशन युवा प्रकोष्ठ-उदयपुर देहात(पूर्वी-उत्तरी क्षेत्र) महामंत्री नियुक्त किया है।

## शोक समाचार

राजकीय उ. मा. विद्यालय बलीचा में शिक्षिका श्रीमती नंद कुंवर लोहार का 12 अगस्त 2020 को आकस्मिक निधन हो गया। वे मृदु स्वभावी व धर्मपरायण महिला थीं। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति राजकमल लोहार, पुत्र विलास व शिरीष, पौत्र विहान सहित सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर शिक्षकों, शिक्षक नेताओं एवं शिक्षाधिकारियों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

उदयपुर। गोवर्धन विलास निवासी बाबा साहेब ग्रुप के मालिक पन्नालाल जी सुहालका(नागर) का 2 अगस्त को शतायु में निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र उत्सव, प्रभुलाल, बंशीलाल, स्व. धर्मनारायण की पत्नी रण देवी, पुत्रियां भंवरी देवी, मधु देवी, पारस देवी व मंजू देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री ललित नारायण जी माथुर(नवनीत मोटर्स) की धर्मपत्नी श्रीमती साधना जी माथुर का 26 जुलाई को असामयिक निधन हो गया। वे समाजसेवी व धर्मपरायण महिला थी। वे अपने पीछे शोकाकुल पति व पुत्र प्रियांक व पुत्री नौनी माथुर सहित सम्पन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक लि. से सेवानिवृत्त श्रमिक नेता श्री दिलीप कुमार जी मजमुदार का 7 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती मीनाक्षी, पुत्र हेशांग, पुत्री अश्मि सहित पौत्र-दोहित्र का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे श्रमिकों के हितों के लिए सतत संघर्षरत रहे।

# राजस्थान आवासन मण्डल, वृत उदयपुर

**आवास की कीमत का 10 प्रतिशत दीजिए, गृह प्रवेश कीजिए**
**मण्डल की विभिन्न आवासीय योजनाओं में 50/25 प्रतिशत तक की भारी छूट के साथ**
**13 साल की आसान 156 मासिक किश्तों पर आवास उपलब्ध है।**

## रजिस्ट्रेशन सप्ताह में किसी भी दिन एवं ई-बिड सबमिशन प्रत्येक सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार

**बैंकों की तुलना में काफी कम ब्याज दर एवं आईटीआर की आवश्यकता नहीं**

### योजनाएं जिनमें आरक्षित दर पर आवास उपलब्ध हैं :–

1. दक्षिण विस्तार योजना, उदयपुर (खण्ड प्रथम, उदयपुर)
2. आवासीय योजना सलूम्बर (खण्ड प्रथम, उदयपुर)
3. आवासीय योजना परतापुर। (खण्ड डूंगरपुर)
4. शास्त्री नगर आवासीय योजना, बांसवाड़ा। (खण्ड डूंगरपुर)

### योजनाएं जिनमें 50/25 प्रतिशत तक की छूट पर आवास उपलब्ध हैं :–

1. गोविन्द नगर आवासीय योजना, राजसमंद (खण्ड द्वितीय, उदयपुर)
2. द्वारिका नगर आवासीय योजना, राजसमंद (खण्ड द्वितीय, उदयपुर)
3. रिको आवासीय योजना, भीलवाड़ा (खण्ड भीलवाड़ा)
4. पटेल नगर विस्तार आवासीय योजना, भीलवाड़ा (खण्ड भीलवाड़ा)
5. प्रियदर्शिनी नगर योजना, सुवाणा जिला भीलवाड़ा (खण्ड भीलवाड़ा)
6. रायला जिला भीलवाड़ा (खण्ड भीलवाड़ा)
7. गुलाबपुरा आवासीय योजना, भीलवाड़ा (खण्ड भीलवाड़ा)
8. सैंती आवासीय योजना, चित्तौड़गढ़ (खण्ड चित्तौड़गढ़)
9. अटल नगर निम्बाहेड़ा आवासीय योजना, चित्तौड़गढ़ (खण्ड चित्तौड़गढ़)
10. आवासीय योजना सागवाड़ा (खण्ड डूंगरपुर)

**योजना की सम्पूर्ण जानकारी मण्डल की वेबसाईट https://urban.rajasthan.gov.in/rhb पर उपलब्ध है।**

### सम्पर्क सूत्र

| आवासीय अभियन्ता | आवासीय अभियन्ता | आवासीय अभियन्ता | आवासीय अभियन्ता | आवासीय अभियन्ता |
|---|---|---|---|---|
| खण्ड प्रथम, उदयपुर | खण्ड द्वितीय, उदयपुर | खण्ड भीलवाड़ा | खण्ड चित्तौड़गढ़ | खण्ड डूंगरपुर |
| Mo. 9983993914 | Mo. 9983993913 | Mo. 9983993852 | Mo. 9983993852 | Mo. 9983993914 |

# राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लि.
## ''जनजाति विकास भवन'' प्रतापनगर, उदयपुर (राज.)
## *विकेन्द्रीकृत मत्स्य बीज पालन नर्सरी स्थापना के लिये प्रस्ताव आमन्त्रण सूचना*

उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा एवं प्रतापगढ जिले क्षेत्र अन्तर्गत उपयोजना क्षेत्र में निवासरत स्थानीय जनजातियों से अपनी निजी भूमि पर मत्स्य बीज पालन नर्सरी कार्य के माध्यम से अतिरिक्त आय का साधन सृजित करने के लिये **''पहले आओ पहले पाओ''** के आधार पर कार्य प्रस्ताव आमन्त्रित किये जाते है। जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:–

स्थानीय जनजातियों की अपनी भूमि पर बीज पालन हेतु गर्मी में पर्याप्त पानी स्त्रोत एवं उपयुक्त किस्म की मिट्टी उपलब्ध होने की स्थिति में लगभग तीन बीघा निजी भूमि क्षेत्र में 600 घन मीटर की प्रति ईकाई से दो मत्स्य बीज पालन नर्सरी निर्माण एवं मत्स्य बीज पालन कार्य के माध्यम से आय का अतिरिक्त साधन सृजन कर सकते है।

योजना अन्तर्गत निर्धारित मात्रा में कार्य के मूल्यांकन के आधार पर ईकाई लागत का 75 प्रतिशत अनुदान राशि का स्थानान्तरण सीधे लाभान्वितों के बैंक खातों में हस्तानान्तरण योग्य रहेगी एवं प्रथम वर्ष के लिये 100 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज वितरण का प्रावधान किया जावेगा।

स्थानीय जनजातियों द्वारा सादे कागज पर महा प्रबन्धक, राजससंघ लि0, उदयपुर के नाम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के साथ लाभान्वित का आधार कार्ड, बैंक खाते की पासबुक, भूमि की पटवारी नकल व संबंधित ग्राम पंचायत से चयनित भू–भाग पर नर्सरी निर्माण के संबंध में सहमति/अनुशंषा संलग्न करना अनिवार्य है।

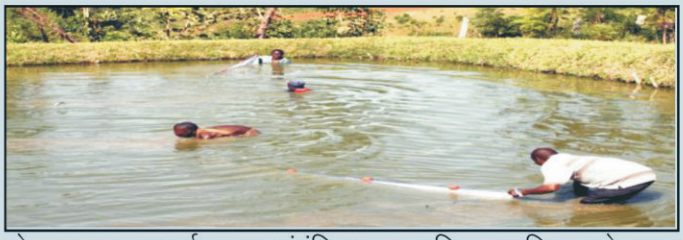

योजना का सम्पूर्ण लाभ संबंधित जनजाति लाभान्वित को प्राप्त होगा। लाभान्वित के द्वारा नर्सरी से प्राप्त मत्स्य बीज की बिक्री करने के लिये स्वतन्त्र रहेगा। राजससंघ द्वारा भी आवश्यकता अनुसार उक्त बीज क्रय किया जा सकता है।

**विस्तृत जानकारी के लिये संपर्क करे –**

मत्स्य विपणन अधिकारी, राजससंघ लि0, उदयपुर
(दूरभाष 0294–2491740)
सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, राजससंघ लि0, बांसवाडा
(दूरभाष 02962–254268)
सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, राजससंघ लि0, डूंगरपुर
(दूरभाष 02964–232290)

Decentralised_Fish_Seed_Nursery_Construction_Offer